RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

12 वर्ष

दैनिक सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, शुक्रवार ●28 जून , 2024 वर्षः-12 अंक-61 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

संक्षिप्त समाचार

उपेंद्र कुशवाहा को राज्यसभा भेज सकती है बीजेपी !

● विधानसभा चुनाव से पहले बनाया जातीय गणित साधने का पूरा प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी उपेंद्र कुशवाहा को राज्यसभा भेज सकती है। ऐसी अटकलें हैं कि बिहार विधानसभा चुनाव से पहले कुशवाहा समाज को जोड़ने की कोशिश में बीजेपी ऐसा प्लान बना रही है। ऐसी चर्चा है कि लोकसभा चुनाव के दौरान उत्तर प्रदेश में बीजेपी की जमीन खिसकने का एक अहम कारण जातीय गणित का योजनाबद्ध प्लान नहीं बना पाना था लेकिन आगे के चुनावों में बीजेपी इस गलती को

दोहराना नहीं चाहती है। बिहार में कुशवाहा समाज की अच्छी संख्या है और उपेंद्र कुशवाहा की पकड़ भी काफी मजबूत मानी जाती है। फिलहाल बीजेपी की ओर से आधिकारिक तौर पर इस अटकल पर कुछ भी नहीं कहा गया है। उपेंद्र कुशवाहा को कराकाट लोकसभा से हार का सामना करना पड़ा था। उन्हें बिहार और खासकर कुशवाहा समाज का बड़ा नेता माना जाता है। ऐसे में बीजेपी उन्हें राज्यसभा भेज दे तो पार्टी को चुनाव में फायदा हो सकता है।

पुतिन से मिलने अगले महीने रूस जा सकते हैं पीएम मोदी

● अमेरिका को लगी मिर्ची, भारत और रूस की पार्टनरशिप पर जताई चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जुलाई की शुरुआत में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ व्यापक बातचीत करने के लिए मॉस्को की यात्रा कर सकते हैं। राजनयिक सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी है। उनकी यात्रा की खबर सामने आते ही अमेरिका चिढ़ गया है। अमेरिकी उप विदेश मंत्री कर्ट कैंपबेल ने बुधवार को कहा कि सैन्य और टेक्नोलॉजी क्षेत्रों में भारत और

रूस की पार्टनरशिप को लेकर अमेरिका चिंतित है। उन्होंने हालांकि भारत-अमेरिका साझेदारी को आगे बढ़ाने में विश्वास और भरोसा भी जताया है। उनसे जब पूछा गया कि क्या रूस के साथ भारत की महत्वपूर्ण सैन्य और टेक्नोलॉजी साझेदारी को देखते हुए भारत के साथ संवेदनशील टेक्नोलॉजी को साझा करने को लेकर अमेरिका में चिंताएं हैं। इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, भारत और अमेरिका के बीच पूर्ण और स्पष्ट संवाद है। हम प्रमुख देशों के साथ अपने आपसी संबंधों पर चर्चा करते हैं और उनमें रूस के साथ भारत के संबंध भी शामिल हैं।

सीएम ने देखा भोपाल के हरियाली महोत्सव का प्लान

● राजधानी में 6 जुलाई को रोपे जाएंगे 12 लाख पौधे, मंत्री-विधायक ने भी दिए सुझाव

भोपाल। भोपाल में हरियाली महोत्सव पर 12 लाख पौधे रोपे जाएंगे। 6 जुलाई को यह मेगा इवेंट होगा। इसे लेकर गुरुवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्री, विधायक और अफसरों के साथ मीटिंग की और प्लान देखा।कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने प्लान के बारे में बताया। सीएम डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल में 6 जुलाई को व्यापक पौधारोपण होगा। एक दिन में 12 लाख पौधे लगेंगे। यह दिन डॉ. श्यामाप्रसाद जी मुखर्जी की जयंती का है। जन-जन को पौधा रोपण से जोड़ा जाएगा। पूरे भोपाल में पौधे लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान का पूरे प्रदेश में क्रियान्वयन हो रहा है। सीएम डॉ. यादव ने एक स्थान पर विशाल जन भागीदारी वाला कार्यक्रम भी रखने के निर्देश दिए हैं। सीएम डॉ. यादव ने कलेक्टर समेत अन्य अधिकारियों से कहा कि पौधारोपण की बारीकीं से तैयारियां की जाए। बैठक में मंत्री विश्वास सारंग, कृष्णा गौर, विधायक रामेश्वर शर्मा, भगवानदास सबनानी, विष्णु खत्री, बीजेपी जिलाध्यक्ष सुमित पचौरी, महापौर मालती राय, कलेक्टर सिंह समेत जिला प्रशासन के कई अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर सिंह ने बताया, हरियाली महोत्सव पर बड़े स्तर पर पौधारोपण किया जाएगा।

अखिलेश का पीएम पर तंज, कहा-सेंगोल को प्रणाम करना भूले

● अनुप्रिया पटेल का जवाब-जब संसद में लगा, तब कहां थे, सेंगोल पर फिर विवाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद में सेंगोल पर एक बार फिर से विवाद शुरू हो गया है। गुरुवार को संसद के बाहर मीडिया से बातचीत में सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने पीएम मोदी पर तंज कसा। उन्होंने कहा- मुझे लगता है कि जब पहली बार सेंगोल लगा था, तो प्रधानमंत्री ने इसे प्रणाम किया था। लेकिन इस बार शपथ के दौरान प्रणाम करना भूल गए, इसी को याद दिलाने के लिए हमारे सांसद ने ये बयान दिया। अखिलेश के बयान के बाद केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल और केंद्रीय राज्य मंत्री जयंत चौधरी का जवाब आया है। अनुप्रिया ने पूछा- जब संसद में सेंगोल स्थापित हुआ, तब सपा सांसद कहां थे।

बुधवार को मोहनलालगंज से सपा सांसद आरके चौधरी ने संसद से सेंगोल हटाने की मांग की थी। उन्होंने स्पीकर को लेटर लिखकर कहा था कि सेंगोल राजदंड, राजतंत्र का प्रतीक है। संसद लोकतंत्र का मंदिर है। किसी राज-रजवाड़े का महल नहीं। इसलिए, संसद से सेंगोल हटाकर संविधान की विशाल प्रति लगवानी चाहिए।

सैम पित्रोदा को कांग्रेस में फिर मिली बड़ी जिम्मेदारी

● चुनाव के समय विवादित बयानों के बाद दिया था इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सैम पित्रोदा को कांग्रेस में एक बार फिर से अहम जिम्मेदारी दी गई है। पित्रोदा को इंडियन ओवरसीज कांग्रेस का चेयरमैन बनाया गया है। लोकसभा चुनाव के समय विवादित बयानों के बाद सैम पित्रोदा ने इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के चेयरमैन पद से इस्तीफा दे दिया था, लेकिन बुधवार को उन्हें दोबारा इसी पद पर नियुक्त किया गया है। पित्रोदा ने इस साल मई में अपने पद से इस्तीफा दे दिया था, क्योंकि भारतीयों की शक्ल-सूरत को लेकर उनकी टिप्पणी विवादों में घिर गई थी। कांग्रेस पार्टी ने तब पित्रोदा की टिप्पणी से खुद को अलग कर लिया था। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए पित्रोदा के पद छोड़ने के फैसले की जानकारी दी थी। पोस्ट में कहा गया था,सैम पित्रोदा ने अपनी मर्जी से इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के चेयरमैन पद से हटने का फैसला किया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने उनके फैसले को स्वीकार कर लिया है। सैम पित्रोदा ने भारत में लोकतंत्र पर विवादित बयान दिया था।

राष्ट्रपति के अभिभाषण में दिखा मोदी सरकार का विजन

● महिलाओं, युवाओं, किसानों और गरीबों के बारे में की बात ● आपातकाल का जिक्र,पेपर लीक पर ऐक्शन का दिया भरोसा

सेनाओं में किया सुधार का दावा,अग्निवीर का नहीं लिया नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद के दोनों सदनों के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए मोदी सरकार के विजन को सामने रखा। राष्ट्रपति ने अभिभाषण के दौरान इंदिरा गांधी सरकार द्वारा लगाई गई इमरजेंसी,संविधान, किसानों, युवाओं, महिलाओं और प्रमुखता से पिछड़े वर्ग के मुद्दों को उठाया। राष्ट्रपति ने कहा कि अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में सरकार ने काफी प्रगति हासिल की है और भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने सेना का भी जिक्र किया और पूर्वोत्तर राज्यों के विकास पर भी बात की है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि 18वीं लोकसभा कई मायनों में ऐतिहासिक लोकसभा है। इस लोकसभा का गठन अमृत काल के शुरुआती सालों में हुआ था।

गरीब, युवा, महिलाएं और किसान होंगे सशक्त

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि भारत इस इरादे के साथ काम कर रहा है कि एक भी व्यक्ति सरकारी योजनाओं से वंचित न रहे। सरकारी योजनाओं की वजह से ही पिछले 10 वर्षों में 25 करोड़ भारतीय गरीबी से बाहर आए हैं। सरकार दिव्यांग भाई-बहनों के लिए किफायती और स्वदेशी उपकरण तैयार कर रही है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि विकसित भारत का निर्माण तभी संभव है जब देश के गरीब, युवा, महिलाएं और किसान सशक्त होंगे। इसलिए मेरी सरकार द्वारा उन्हें सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि सरकार पूर्वोत्तर में शांति लाने के लिए लगातार काम कर रही है।

सशक्त भारत के लिए सेनाओं में आधुनिकता है आवश्यक

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा की सरकार एक और फैसला लेने जा रही है, 70 साल से ज़्यादा उम्र के सभी बुजुर्गों को आयुष्मान भारत योजना के तहत मुफ्त इलाज का लाभ मिलेगा। पिछले 10 सालों में कई ऐसे सुधार किए गए हैं, जिनका आज देश को फायदा हो रहा है। जब ये सुधार किए जा रहे थे, तब इनका विरोध हुआ था लेकिन ये सभी सुधार समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अभिभाषण के दौरान कहा कि सशक्त भारत के लिए हमारी सेनाओं में आधुनिकता आवश्यक है। युद्ध की स्थिति में हम सर्वश्रेष्ठ बनें यह सुनिश्चित करने के लिए सेनाओं में सुधार की प्रक्रिया निरंतर चलती रहनी चाहिए। इसी सोच के साथ मेरी सरकार ने पिछले 10 वर्षों में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि विकसित भारत का निर्माण तभी संभव है जब देश के गरीब, युवा, महिलाएं और किसान सशक्त होंगे। इसलिए मेरी सरकार द्वारा उन्हें सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा की सरकार ने खरीफ फसलों के एमएसपी में भी रिकॉर्ड बढ़ोतरी की है। आज का भारत अपनी मौजूदा जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अपनी कृषि व्यवस्था में बदलाव कर रहा है। आजकल दुनिया में जैविक उत्पादों की मांग तेजी से बढ़ रही है। भारतीय किसानों के पास इस मांग को पूरा करने की पूरी क्षमता है। इसलिए सरकार प्राकृतिक खेती और इससे जुड़े उत्पादों की आपूर्ति श्रृंखला को एकीकृत कर रही है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद के दोनों सदनों के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि मेरी सरकार ने पीएम किसान सम्मान निधि के तहत देश के किसानों को 3.20 लाख करोड़ रुपये प्रदान किए हैं। कार्यकाल की शुरुआत से अब तक 20,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि किसानों को ट्रांसफर की जा चुकी है।

● पश्चिम से पूर्वांचल तक योगी सरकार की बड़ी तैयारी

लखनऊ, जेवर, फर्रूखाबाद और चित्रकूट में बनेंगे नए लिंक एक्सप्रेसवे

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में पश्चिम, बुंदेलखंड से लेकर पूर्वांचल तक में बने बड़े एक्सप्रेसवेज की कनेक्टिविटी और बेहतर करने के लिए चार नए लिंक एक्सप्रेस वे बनेंगे। इनको लखनऊ, जेवर, फर्रूखाबाद और चित्रकूट में बनाया जाएगा। चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे की प्रक्रिया पहले से ही चल रह है, आज सीएम योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को यूपीडा के अधिकारियों को इन तीन लिंक एक्सप्रेस वे की प्राइमरी स्टडी रिपोर्ट जल्द तैयार करने के निर्देश दिए हैं। प्रदेश में मेरठ से प्रयागराज को जोड़ने के लिए गंगा एक्सप्रेसवे का निर्माण चल रहा है। अब इसको नोएडा के जेवर में बन रहे इंटरनेशनल एयरपोर्ट से भी जोड़ा जाएगा। इसके लिए गंगा एक्सप्रेसवे से जेवर एयरपोर्ट तक लिंक एक्सप्रेस वे बनेगा। गंगा एक्सप्रेसवे को आगरा एक्सप्रेसवे से जोड़ने के लिए वाया फर्रुखाबाद भी एक लिंक एक्सप्रेसवे बनाया जाएगा। इसी तरह आगरा एक्सप्रेसवे से निकलकर पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पकड़ने के लिए लखनऊ शहर के भीतर से होकर जाना पड़ता है। इसमें

समय भी अधिक लगता है और जाम की समस्या भी बढ़ती है। सीएम ने पूर्वांचल व आगरा एक्सप्रेसवे को जोड़ने के लिए भी लिंक एक्सप्रेसवे बनाने को कहा है। वहीं, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे से चित्रकूट को जोड़ने के लिए भी चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे के लिए काम शुरू किया जा चुका है।

विधानसभा सत्र नजदीक आते ही कांग्रेस ने दिखाए तेवर

● नेता प्रतिपक्ष ने जनता से मांगी घूसखोरी और घोटालों की जानकारी, पटवारी ने सीएम को लिखी चिट्ठी

भोपाल। विधानसभा सत्र नजदीक आने के साथ कांग्रेस ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार से सत्र से पहले प्रदेश भर में चल रहे घोटालों की जानकारी आमजन से मांगी है। इसके लिए सिंघार ने एक मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी सोशल मीडिया पर की है। उधर, पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर मोदी की गारंटी पूरी करने को कहा है। मध्यप्रदेश विधानसभा का एक जुलाई से शुरू होने वाले सत्र के लिए बजट की तारीख तय हो गई है। सरकार अपना पहला बजट 3 जुलाई को विधानसभा के पटल पर रखेगी आपकी जानकारी के लिए मैं फिर से यह बताना चाहता हूं कि भाजपा ने चुनावी घोषणा-पत्र में गेहूं पर 2700 रुपए और धान पर 3100 रुपए प्रति क्विंटल के समर्थन मूल्य का वादा किया था! कई चुनावी भाषणों में इस बार-बार दोहराया था! 20 साल पुरानी सरकार का वादा और विधानसभा चुनाव में मोदी की गारंटी अभी भी पूरी नहीं हो पा रही है! आप भी आश्चर्यजनक रूप से चुप हैं, क्यों। मैंने केंद्रीय कृषि मंत्री जी को भी अनुरोध किया था, वही बात फिर दोहरा रहा हूं। मोदीजी ने किसानों की इनकम डबल करने का सार्वजनिक वादा किया था. वही मोदी हैं, जो जानते हैं कि आमदनी डबल नहीं हुई।

पिता को लिवर डोनेट कर सकेगी नाबालिग बेटी

● सरकार के बाद हाईकोर्ट से भी मिली परमीशन, इंदौर में जल्द की जाएगी सर्जरी

भोपाल। इंदौर में नाबालिग बेटी को अपने पिता को लिवर डोनेट करने की परमीशन मिल गई है। बेटी की याचिका पर हाईकोर्ट की इंदौर बेंच ने गुरुवार सुबह 10.30 बजे इसकी अनुमति दी। डॉक्टर आज ही सर्जरी कर सकते हैं। इससे पहले मंगलवार शाम सरकारी स्तर पर सहमति मिलने के बाद ट्रांसप्लांट की प्रक्रिया निजी हॉस्पिटल में शुरू कर दी गई थी। पिता और डोनर बेटी को डॉक्टरों की टीम ने ऑब्जर्वेशन में ले लिया था। पिता को लिवर डोनेट करने वाली नाबालिग बेटी मध्यप्रदेश की पहली नाबालिग डोनर है। इंदौर के शिवनारायण बाथम (42) का लिवर फेल हो गया है। उनकी कंडिशन क्रिटिकल है। डोनर नहीं मिलने पर नाबालिग बेटी प्रीति ने कहा था कि वह शिवनारायण को लिवर देना चाहती है। लेकिन उसकी उम्र 18 साल से दो महीने कम होने के चलते डॉक्टरों ने ट्रांसप्लांट में कानूनी अड़चन बता दी थी।

कोई मिल गया...

अंतरिक्ष में अब मिल जाएंगे एलियन!

वैज्ञानिकों ने खोजी दुर्लभ ग्रीनहाउस गैस, दूसरे ग्रहों पर जीवन का है संकेत

वॉशिंगटन (एजेंसी)। एलियन होने को लेकर हमारे दिमाग में हमेशा से सवाल रहा है। क्या एलियन सच में हैं। अगर हैं तो क्या यह 'कोई मिल गया' फिल्म के जादू की तरह होंगे या फिर हॉलीवुड के फिल्मों वाले विलेन की तरह होंगे। इन सवालों का जवाब भले ही न पता हो, लेकिन वैज्ञानिकों ने एलियन को खोजने से जुड़ा एक नया शोध जारी किया है। वैज्ञानिकों ने ग्रीनहाउस गैसों के एक समूह की पहचान की है, जो किसी ग्रह पर जीवन होने का संकेत दे सकते हैं। इसका इस्तेमाल उन्नत एलियन सभ्यताओं की तलाश के लिए एक मार्कर के रूप में किया जा सकता है। ग्रीनहाउस गैसें ग्लोबल वॉर्मिंग का कारण बनती हैं और इन्हें पृथ्वी पर नियंत्रित किया जाना चाहिए लेकिन ये दूसरे ग्रहों को रहने लायक बना सकते हैं। कैलीफोर्निया रिवरसाइड विश्वविद्यालय के सह-लेखक लेखक एडवर्ड श्विटरमैन ने कहा, हमारे लिए ये गैसें खराब हैं, क्योंकि हम धरती पर गर्मी को और नहीं बढ़ाना चाहते। लेकिन वे एक ऐसी सभ्यता के लिए अच्छे होंगे जो शायद हिमयुग को रोकना चाहती है या उन निर्जन ग्रहों के लिए अच्छे होंगे, जिन्हें गर्म करने की जरूरत है। शोधकर्ताओं ने गैसों के एक ऐसे समूह की पहचान की है, जिसे नासा के जेम्स वेब स्पेस टेलीस्को का इस्तेमाल करके हमारे सौर मंडल के बाहर ग्रहों पर बेहद कम मात्रा होने पर भी पता लगाया जा सकता है। यह अध्ययन द एस्ट्रोफिजिकल जर्नल में प्रकाशित हुआ था और इसमें पांच गैसों का हवाला दिया गया था, जो पृथ्वी के वायुमंडल में कम मात्रा में पाई जाती है। ज्यादातर संभावना है कि अगर इन गैसों को अंतरिक्ष में कही देखा जाता है तो वहां जीवन होगा, क्योंकि यह प्राकृतिक स्रोत से आती है। उनकी मौजूदगी जीवन होने का संकेत दे सकती है। इन गैसों में नाइट्रोजन और फ्लोरीन या सल्फर और फ्लोरीन से बनी गैसों के साथ-साथ अन्य गैसें भी शामिल हैं।

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, शुक्रवार 28 जून, 2024

एमपी के 302 नगरीय निकायों ने नहीं भरे बिजली बिल

मध्यप्रदेश । मध्यप्रदेश के 302 नगरीय निकायों ने अपने कार्यालयों का बिजली बिल के नहीं भरा है. प्रदेश के नगरीय निकायो पर 39 करोड़ 93 लाख रुपए का बिल बकाया है इसी को लेकर अब बिजली कंपनियों ने इन नगरीय निकायों को बकाया बिल जमा करने के लिए नोटिस थमाया दिया है ।

इन कंपनियों का बिल बकाया

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी (स्वक्षक्ष) के जोन में आने वाले 83 निकायों ने 14 करोड़ 95 लाख 23 हजार 931 रुपए का बिजली बिल जमा नहीं किया है. मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी जबलपुर के जोन वाले 113 नगरीय निकायों ने 7 करोड़ 80 लाख 19 हजार 892 रुपए के बिजली बिल जमा नहीं किए हैं । वहीं मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के कार्यक्षेत्र में आने वाले 106 नगरीय निकायों ने 17 करोड़ 17 लाख 56 हजार 177 रुपए के बिजली का बिल जमा नहीं किया है. इसी को लेकर अब इन तीनों कंपनियों ने इन निकायों और नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय को बकाया बिल जमा करने के लिए नोटिस थमाया है. ।

विंध्याचल कोषालय से हुआ था भुगतान

नोटिस मिलने के बाद उप संचालक वित्त नगरीय प्रशासन एवं विकास ने इन बिजली कंपनियों को पत्र लिखकर कहा है कि जून 2024 की क्षतिपूर्ति की राशि में से 39 करोड़ 93 लाख रुपए की राशि से इन बकाया बिलों का समायोजन करने को कहा है. इस राशि का भुगतान विंध्याचल कोषालय के माध्यम से किया गया है.

इन जिलों के निकायों पर है बकाया

मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के ये बड़े बकायादार इंदौर 7 करोड़ 47 लाख, खंडवा सवा करोड़, देवास 1 करोड़ 8 लाख हैं. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में ये सबसे बड़े बकायादार भोपाल 6 करोड़ 75 लाख, ग्वायिलर 1 करोड़ 71 लाख, शिवपुरी 1 करोड़ 12 लाख, मुरैना 58 लाख, 70 हजार, गुना में 3 लाख 36 हजार हैं ।

मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के ये बड़े बकायादार सागर 1 करोड़ 2 लाख 51 हजार 909, दमोह एक करोड़ 1 लाख 99 हजार 514, सिवनी 52 लाख 59 हजार 886, कटनी 41 लाख 20 हजार 535, सतना 40 लाख 74 हजार 321, छिंदवाड़ा 33 लाख 48 हजार 863ख् नरसिंहपुर 25 लाख 51 हजार 747 हैं।

किसानों का खर्च 4 गुना बढ़ा, लेकिन आय स्थिर - जीतू पटवारी

मध्यप्रदेश । मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को प्रदेश कांग्रेस कमेटी चीफ जीतू पटवारी ने किसानों के गेहूं और धान के लिए समर्थन मूल्य को बढ़ाने की मांग करते हुए पत्र लिखा है मध्यप्रदेश विधानसभा का सत्र 1 जुलाई से आरंभ हो रहा है। इसी के साथ सत्र के लिए बजट की तारीख भी तय हो गई है। बता दें कि सरकार अपना पहला बजट 3 जुलाई को विधानसभा में प्रस्तुत करेगी।

पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने मप्र के सीएम डॉ मोहन यादव को पत्र लिखकर कहा कि मैं फिर से यह बताना चाहता हूं कि भारतीय जनता पार्टी ने ने चुनावी घोषणा-पत्र में गेहूं में 2 हजार 700 रुपए और धान पर 3 हजार 100 रुपए प्रति क्विंटल के समर्थन मूल्य देने का वादा किया था। इस बात को भाजपा ने कई भाषणों में चुनावी भाषणों में कही थी। जीतू पटवारी ने आगे लिखा कि करीब 20 साल पुरानी सरकार का वादा और विधानसभा चुनाव में दी गई मोदी की

गारंटी को अभी तक पूरा नहीं किया गया है। आप भी इसपर आश्चर्यजनक रूप से चुप हैं, क्यों ? साथ ही जीतू पटवारी ने पत्र में लिखा कि इसके लिए मैंने केंद्रीय कृषि मंत्री से भी अनुरोध किया था, वही बात एक बार फिर आपसे कहता हूं कि मोदी ने किसानों की आय दोगुना करने का वादा सभी के सामने किया था। वही मोदी हैं, जो जानते हैं कि आमदनी दोगुनी नहीं हुई, लेकिन किसानों के खर्च में चार गुना की बढ़ोतरी हो चुकी है।

किसानों की यह जरूरत और अधिकार है

जीतू पटवारी ने पत्र में आगे लिखा कि कांग्रेस के विधायक विधानसभा और सड़कों पर यह बात जरूर पूछेंगे कि गेहूं और धान उपजाने वाले किसान का इन फसलों पर समर्थन मूल्य क्यों नहीं दिया जा रहा है? साथ ही उन्होंने यह आग्रह करते हुए कहा कि गेहूं और धान के लिए घोषित समर्थन के आदेश को तत्काल प्रभाव से लागू करें और इसी बजट में यह भी सुनिश्चित करें कि किसानों को इसके लिए बकाया राशि बोनस के रूप में दी जाएगी। एमपी के किसानों की यह जरूरत भी है और अधिकार भी।

भाजपा-कांग्रेस का एक दूसरे पर पलटवार

जीतू पटवारी के इस पत्र पर भारतीय जनता पार्टी के मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने कहा कि उन्हें इस मामले में बोलने का नैतिक अधिकार नहीं है। 10 दिन से कर्ज माफ करने का वादा किया था, तब जीतू पटवारी ने किसानों के समर्थन में एक शब्द तक नहीं बोला था और न ही किसानों को कर्जमाफी को लेकर कोई बात कही थी ऐसे नेता को किसानों के लिए कुछ भी कहने का अधिकार नहीं है। साथ ही इसपर कांग्रेस के पूर्व विधायक कृणाल चौधरी ने कहा कि हमें सरकार को भारतीय जनता पार्टी का घोषणा पत्र जरूर याद दिलाना चाहिए, क्योंकि गेहूं और धान पर एमएसपी वादे के अनुसार नहीं मिल रहा है।

पटवारी कर रहा है रिश्वत की मांग, मंत्री के पास शिकायत लेकर पहुंचा किसान

मध्यप्रदेश । मध्यप्रदेश में भ्रष्टाचार के मामले दिन ब दिन बढ़ते जा रहे हैं। वहीं, रिश्वत की मांग का ताजा मामला मप्र की राजधानी भोपाल से सामने आया है, जहां एक किसान से पटवारी काम करने के बदलने रिश्वत की मांग कर रहा था, जिससे परेशान होकर किसान सीधा मंत्री के बंगले पर पहुंच गया। किसान ने मंत्री से मुलाकात कर उन्हें शपथ पत्र में पटवारी के खिलाफ शिकायत दी, जिस पर मंत्री ने जांच के बाद कार्रवाई करने की बात कही है। बता दें कि पटवारी किसान को बार बार परेशान कर रहा था, साथ ही उसकी जमीनों को गायब करने की की धमकी भी वह किसान को दिए जा रहा था, जिससे तंग आकर आखिर किसान ने मंत्री के पास जाकर शिकायत करने का फैसला किया है। पूरा मामला मध्यप्रदेश के हुजुर तहसील के बिसनखेड़ी का है। किसान ने बताया कि काफी समय से पटवारी उसे पैसों को लेकर परेशान कर रहा है। साथ ही पटवारी ने उसकी की जमीनों को भी गायब कर दिया है वहीं, काम के बदले पटवारी पैसों की मांग कर रहा है। उसने 35 हजार रुपए की मांग की है, जिसमें से उसे 28 हजार रुपए दे भी दिए हैं। इस शिकायत को लेकर किसान राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा के बंगले पर पहुंचा और पटवारी के खिलाफ शपथ पत्र में शिकायत की। साथ ही किसान ने बताया कि मंत्री ने बोला है कि वह इस मामले में कार्रवाई करेंगे।

राजस्व मंत्री ने दिए जांच के निर्देश

वहीं, किसान की शिकायत पर राजस्व मंत्री करण सिंह ने पूरे मामले का संज्ञान लिया। साथ ही राजस्व मंत्री ने कहा कि कई लोगों की विकृति है, जैसे राक्षस आत्मा जिसमें घुस जाती है, वो फिर वैसे ही काम करता है। किसान से रिश्वत मांगने का मामला में समक्ष आया है। संबंधित अधिकारियों को जांच के निर्देश दे दिए गए हैं। साथ ही इस मामले में उचित कार्रवाई की जाएगी।

'कर्ज का ब्याज चुकाने के लिए भी कर्ज': कमलनाथ

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कर्ज को लेकर प्रदेश सरकार पर जमकर निशाना साधा हैं। उन्होंने कहा कि कर्ज का ब्याज

चुकाने के लिए भी कर्ज लेना पड़ता है। यह गलत आर्थिक नीतियों और अपरिपक्व निर्णयों की देन है। कमलनाथ ने सीएम मोहन से अपील करते हुए कहा कि प्रदेश को कर्ज मुक्त प्रदेश बनाने की दिशा में पहल करें। पूर्व सीएम कमलनाथ ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर कहा- मध्यप्रदेश सरकार वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिये 88450 करोड़ रुपये कर्ज लेने जा रही है। इसके पूर्व मध्यप्रदेश पर 3.50 लाख करोड़ से अधिक का कर्ज है। वर्तमान प्रस्तावित क़र्ज़ के बाद मध्यप्रदेश पर लगभग 4.38 लाख करोड़ का क़र्ज़ हो जायेगा। कर्ज में डूबी मध्यप्रदेश सरकार की हालत यह हो चुकी है कि अब इन्हें क़र्ज़ का ब्याज चुकाने के लिए भी कर्ज लेना पड़ता है। यह ग़लत आर्थिक नीतियों और अपरिपक्व निर्णयों की देन है।

आए बढ़ाने के लिए काम क्यों नहीं करती सरकार- नेता प्रतिपक्ष

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि सरकार आए बढ़ाने के लिए काम क्यों नहीं करती, हमेशा कर्ज लेती रहती है। कृषि अवार्ड तो लेते हैं, लेकिन कृषि से आए कैसे बढ़ाए ? इसे लेकर काम नहीं करती है। अब तक भोपाल, इंदौर मेट्रो का काम पूरा क्यों नहीं हुआ। ये बता नहीं पा रही है, लेकिन सरकार कर्ज लेकर घोटाले कर रही है।

सिंघार ने नर्सिंग घोटाले पर भी उठाए सवाल

उन्होंने कहा कि सरकार आर्थिक मामले में कमजोर है, प्रदेश आर्थिक रूप से कमजोर नहीं है। राज्य की सरकार सिर्फ केंद्र सरकार से आने वाले बजट से चलाना चाह रही है। जबकि शासन को अपनी आय के नए साधन ढूंढने चाहिए। नर्सिंग घोटाले को लेकर भी उमंग सिंघार ने सरकार पर सवाल उठाए है। उन्होंने कहा कि सरकार अब तक मंत्री पर कार्रवाई क्यों नहीं कर पाई ?

पास्को एक्ट से संबंधित कार्यशाला सम्पन्न

टीकमगढ़। समाजसेवी संस्था ग्रामीण स्वावलंबन समिति के द्वारा सीताराम (उप पुलिस अधीक्षक टीकमगढ़ के मार्गदर्शन मे एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। संस्था की ओर से शगोकुल प्रजापति (कार्यक्रम समन्वयक) के द्वारा महिलाओं और बच्चों के साथ हो रही हिंसा रोकथाम एवं पुनर्वास को लेकर संचालित कार्यक्रम सहित दिए जाने वाले आवश्यक परामर्श व सुविधाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। इसके बाद ग्रामीण स्वावलंबन समिति के माध्यम से एडवोकेट काशीराम द्वारा उपस्थित बाल कल्याण पुलिस अधिकारियों को पॉक्सो एक्ट, किशोर न्याय अधिनियम, बाल श्रम निषेध कानून को लेकर प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर कार्यशाला में किशोर न्याय बोर्ड से भारत भूषण झा, प्रधान आरक्षक ज्ञानेंद्र रजक सहित समिति की ओर जिला समन्वक सुरेन्द्र कुमार, मंजू चौहान, संगीता अहिरवार एवं समस्त टीकमगढ़ थानों से बाल कल्याण पुलिस अधिकारी मौजूद रहें।

मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद खनन माफियाओं पर एक्शन: 6 माह में 165 मामले दर्ज

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देश के बाद खनन माफियाओं पर सख्त एक्शन देखने मिल रहा है। ग्वालियर कलेक्टर रुचिका चौहान के नेतृत्व में जनवरी 2024 से लेकर 26 जून 2024 तक अवैध उत्खनन परिवहन और भंडारण मामले में 165 से ज्यादा बड़ी कार्रवाई कर प्रकरण दर्ज किए गए हैं। जिनमें दो करोड़ 67 लाख 70 हजार 721 रुपए का जुर्माना लगाया गया है। साथ ही बड़ी संख्या में अवैध खनन में शामिल ट्रैक्टर ट्राली, जेसीबी,

पनडुब्बी राजसात की गई है। जिसके बाद माफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है।दरअसल, सीएम मोहन के सख्त निर्देश है कि प्रदेश में जीरो टॉलरेंस नीति के साथ सभी जिला प्रशासन खनन माफियाओं पर सख्त कार्रवाई करें। इसी कड़ी में ग्वालियर कलेक्टर रुचिका चौहान ने अवैध खनन के खिलाफ सभी एसडीएम तहसीलदारों को निर्देश जारी किए थे। जिसमें कहा था कि इन मामलों पर सख्त कार्रवाई की जाए। जिसके तहत आम लोग भी इस कार्रवाई में जुड़े और जनवरी 2024 से लेकर 26 जून 2024 तक ग्वालियर जिले में अवैध उत्खनन परिवहन और भंडारण के खिलाफ रिकॉर्ड कार्रवाई की है।

शिक्षा विभाग की तरह जनजातीय कार्य विभाग में भी कार्रवाई हो

एकलव्य आवासीय विद्यालयों में पूर्व से कार्यरत शिक्षकों के हित में निर्णय लिया जाए

भोपाल। जनजातीय कार्य विभाग में शिक्षकों की समस्याओं को लेकर मप्र ट्रायबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष डीके सिंगौर के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल भोपाल जाकर विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. ई रमेश कुमार और सुधीर जैन से मिला। विभाग के आला अधिकारियों से चर्चा कर समस्याओं से अवगत कराया गया। इस दौरान ज्ञापन देते हुए शिक्षकों के हित में कार्रवाई करने की मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल में संगठन के एच एन नरवरिया सहित वरिष्ठ प्रांतीय उपाध्यक्ष मुकेश पाटीदार कुक्षी, महासचिव सुरेश यादव इंदौर, महासचिव शिरीन कुरैशी सरदारपुर, संयुक्त सचिव अरुण कुशवाह डही, धार जिला अध्यक्ष शैलेश मालवीय, मनावर तहसील अध्यक्ष शोभाराम वास्कले, मनावर ब्लॉक अध्यक्ष कैलाश बुंदेला आदि मौजूद थे। एसोसिएशन के प्रदेश मीडिया प्रभारी इरफान मंसूरी डही ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को भोपाल पहुंचकर विभाग के आला अधिकारियों से शिक्षकों की समस्याओं के निराकरण का अनुरोध किया। प्रतिनिधिमंडल द्वारा दिए गए ज्ञापन में बताया गया कि वर्ष 2017 और वर्ष 2023 में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में उत्कृष्ट शिक्षकों की पूर्ति के लिए जनजातीय कार्य विभाग के शिक्षकों की परीक्षा लेकर पद स्थापना की गई थी। लेकिन वर्तमान में पूर्व से कार्यरत परीक्षा द्वारा चयनित उत्कृष्ट शिक्षकों को हटाकर नेस्ट्स के माध्यम से शिक्षकों की पूर्ति की जा रही है। जबकि पूर्व में कार्य करने वाले शिक्षकों की न तो अस्थाई नियुक्ति थी और न ही प्रतिनियुक्ति की गई थी। बल्कि उनकी पदस्थापना की गई थी। ऐसे में उन्हें एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय से नहीं हटाने की प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य विभाग भोपाल से मांग की गई है। साथ ही ज्ञापन में बताया गया कि एकलव्य आदर्श विद्यालयों से इन शिक्षकों को वापस किया जाना आवश्यक है तो इन्हें विभाग की अन्य समस्त विशिष्ट शालाओं जैसे कन्या शिक्षा परिसर एवं ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय और सभी सामान्य शालाओं के रिक्त पदों पर स्वैच्छिक काउंसलिंग के माध्यम से पदस्थापना की जाए,जिन शिक्षकों के गृह जिलों में ट्राइबल की शालाये नहीं है उन्हें स्कूल शिक्षा विभाग में जाने हेतु एनओसी दी जावे ताकि अपने गृह जिले में जाने का इन शिक्षकों को अवसर प्राप्त हो सके। यदि ऐसा नहीं होता है तो फिर मजबूरी में शिक्षकों को न्यायालय की शरण लेने को बाध्य होना पड़ेगा।

पांचों नदियों को जोड़ दिया जाता है तो दमोह जिले में कभी पानी की कमी नहीं:राज्य मंत्री पटेल

इस बार जो बारिश में पानी आएगा उससे उन 39 गांव में सिंचाई होगी-विधायक मलैया

दमोह। हर विधानसभा का यह रोड मेप है और इसको आने वाले समय के लिए हमारा विजन क्या होगा, प्रदेश कैसा होगा इसके लिए हर विधायक को जिम्मेदारी दी गई है कि अपने यहां का रोड मेप बनाकर लाये और शासन के साथ इसको समाहित करें। इस संबंध में सभी जनप्रतिनिधिगण और गणमान्य नागरिकों सभी के सुझाव लिये गए। इस आशय के विचार प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखन पटेल ने आज कलेक्टर कार्यालय में दमोह के विकास का रोडमैप (भविष्य की संभावनाओं पर विचार विमर्श) पर आयोजित बैठक मैं व्यक्त किये। इस अवसर पर संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी, मध्य प्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ रामकृष्ण कुसमरिया, विधायक द्वय जयंत मलैया, श्रीमती उमा देवी खटीक, भाजपा जिलाध्यरक्ष प्रीतम सिंह लोधी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रंजीत गौरव पटेल, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती मंजू वीरेंद्र राय, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर, पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी, सीईओ जिला पंचायत अर्पित वर्मा, विभिन्न संगठनों के पदाधिकारीगण सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, नागरिकगण मौजूद रहे।

राज्य मंत्री श्री पटेल ने कहा यह इसलिए की हमारा आने वाले समय का दमोह कैसा हो, हमारा जिला कैसा हो, हमारे गांव कैसे हो उसके लिए सभी लोगों से सुझाव लिये गए हैं और इन सुझावों को समाहित करके 5 वर्ष में इसको पूरा करने का प्रयास किया जायेगा। इसमें बहुत सारे सुझाव खास तौर से सिंचाई के संबंध में बहुत सारे सुझाव है और भी बिंदुओं पर सुझाव आए हैं, उन पर अधिकारियों से बात की गई है, उसको डॉक्यूमेंट में जोड़ने का काम

किया जाएगा। उन्होंने कहा हर विकासखंड में मिट्टी परीक्षण की बिल्डिंग बनी हुई है, जिन बेरोजगार युवाओं को कोई काम मिलेगा। यदि कोई किसान जो खुद मिट्टी लेकर आएगा, उसकी 25-50 रुपए जो फीस है, वह देनी पड़ेगी। यह एक बड़ा फैसला अभी हाल ही कैबिनेट में हुआ है, इस तरीके का काम कर रहे हैं, जिससे मुझे लगता है कि यह मिट्टी परीक्षण वाली समस्या हल हो जाएगी। उन्होंने कहा 25 गांव छूटे है वह जुड़ रहे हैं, इसकी सबसे ज्यादा कोई चिंता कर रहे हैं तो वह पूर्व वित्त मंत्री एवं विधायक जयंत भैया जी ने की हैं।

उन्होंने कहा व्यारमा नदी का प्रोजेक्ट तैयार हो चुका है, लगभग उसमें 2 लाख हेक्टेयर की सिंचाई होगी, उसको जोड़ देंगे तो हमारा पूरा जिला जो बचा हुआ है, क्योंकि हमें कुछ पानी केन-बेतवा से मिल रहा है और हमारी जो पांच परियोजनाएं हैं उनमें भी लगभग 175000 एकड़ की सिंचाई, उससे भी होगी । कुछ सिंचाई तालाबों से हो रही है, बाकी जो बचेगा अगर यदि यह योजना स्वीकृत हो जाए तो मुझे लगता है कि दमोह जिले की पूरी सिंचाई हो जाएगी। उन्होंने कहा हमारा जो सीतानगर डेम है, यह डेम बहुत बड़ा डेम है और वहां पर बाजू में ही मड़कोलेश्वर है, वहीं पर हवाई अड्डे बनाने की बात हो रही है। उन्होंने कहा नरसिंहगढ़ में हमारा पीडब्ल्यूडी का रेस्ट हाउस है, उसको बहुत अच्छा बनाना है। वहां पर रेस्टोरेंट बनाने और साथ में वोटिंग करने का प्लान है। डायमंड सीमेंट का हवाई अड्डा पुराना है, सिर्फ तीन या चार बार वहां पर जहाज उतरा है। अभी मैंने कुछ दिन पहले ही उसमें बात की थी तो वह उसे सरेंडर कर रहे हैं इसके दस्तावेज देखकर हम लोग वहां बनाने का काम करेंगे। उसका सिर्फ सीमेंटीकरण होना है वह हो जाएगा तो हवाई अड्डा चालू हो जाएगा।

प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने कहा दमोह पर्यटन और संस्कृति के क्षेत्र में बहुत समृद्ध-शाली जिला है। इसके लिए बांदकपुर कॉरिडोर से शुरू कर रहे हैं, 100 करोड़ की परियोजना भगवान भोलेनाथ के बांदकपुर कॉरिडोर के लिए बनाई गई है और उस पर जल्दी ही काम शुरू होगा। साथ ही मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी ने जो निर्देश दिए हैं की हर विधानसभा का हर जिले का एक विजन डॉक्यूमेंट बनाना चाहिए, जिसमें हम 5 साल में क्या-क्या काम करना चाहते हैं वह विजन डॉक्यूमेंट बनाकर हम यहां से कलेक्टर के माध्यम से भेजेंगे और उस विजन डॉक्यूमेंट को लेकर मंत्रिमंडल के माध्यम से कैबिनेट में योजना बनाकर उस विजन डॉक्यूमेंट पर काम किया जाएगा। सारे विभागों को लेकर आज विजन डॉक्यूमेंट को लेकर चर्चा हुई और जिले के सभी बुद्धिजीवियों को भी बुलाया गया जिसमें उन्होंने अपनी-अपनी राय दी है। राज्य मंत्री श्री लोधी ने कहा सबसे महत्वपूर्ण बात है कि विजन डॉक्यूमेंट सीधे केवल एक नेता विशेष नहीं बना रहा है, पूरे जिला के बुद्धिजीवी लोगों को बुलाकर विजन डॉक्यूमेंट का निर्माण कार्य किया जा रहा है। यह अच्छी सोच है इसके सुखद परिणाम आने वाले समय में देखने को मिलेंगे। उन्होंने कहा जब पहली बैठक ली थी तब मैंने कहा था सबसे पहले बांदकपुर का विकास करना है, उसकी योजना बन गई है, इसकी बैठक मंदिर समिति के साथ करके योजना को जल्दी ही आगे बढ़ाया जाएगा और जो आप सभी की डिमांड है धीरे-धीरे सारी डिमांड हम पूरी करेंगे।

पुलिस पेंशनर्स संघ ने किया नागरिकों को नशा मुक्त करने के लिए कार्यक्रम का आयोजन

टीकमगढ़। गुरूवार 27 जून के रोज को मध्य प्रदेश पुलिस पेंशनर प्रदेश कार्यकारिणी के निर्णय व प्रांतीय अध्यक्ष एमपी सिंह परिहार के निर्देशानुसार पुलिस पेंशनर संघ द्वारा नशा मुक्ति शिविर का आयोजन किया गया। सभा में नशा मुक्ति पर सागर संभागीय अध्यक्ष सुरेश कुमार दोंदेरिया, जिला अध्यक्ष खलील मोहम्मद खान, रामचरण समारी, कैलाश नारायण सिरवैया, कन्हैया लाल सेन, एपी रैकवार, सिविल कर्मचारी पेंशनर संघ प्रदेश सचिव राघवेंद्र सिंह राजपूत तथा सर्व समाज फाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष रज्जाक अली शाह ने नशा मुक्ति के संबंध में अपने-अपने विचार रखे।

कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों का व वृद्ध पेंशनर रामचरण समारी, श्याम बाबू द्विवेदी, भागीरथ विश्वकर्मा, सोहनलाल पाल तथा संयुक्त पेंशनर संघ के जिला संयोजक उमाशंकर चतुर्वेदी का स्वागत कार्यवाहक जिला अध्यक्ष एनडी सोनी के नेतृत्व में किया गया। साथ ही जिला पदाधिकारी गोविंद अहिरवार, बीडी कड़ा, इंदर सिंह, धनीराम सेन, करुणा सिंधु द्विवेदी, संतोष सिंह बुंदेला, रामकृष्ण यादव, गोकुल प्रसाद यादव, रामस्वरूप विश्वकर्मा, किशोरी लाल राजपूत, पूरनलाल रजक, राकेश उपाध्याय, एमएल कुशवाहा, राकेश झा, सीताराम कोरी सहित उपस्थित पेंशनरों का स्वागत किया गया। शहर में नशा मुक्ति करने का संदेश लेकर बाईक रैली मां लक्ष्मी पैलेस कुंवरपुरा तिगैला से अस्पताल चौराहा होते हुए शहर में निकाली गांधी चौराहा पहुंचकर नशा मुक्ति के नारे लगाकर नशा मुक्ति स्लोगन पोस्टर दिखाकर शहरवासी और दूर दराज ग्रामों से आए नागरिकों के माध्यम से संदेश पहुंचाने का प्रयास किया की नशा रूपी दानव जो कष्ट दायक जीवन देता है से छुटकारा पाकर खुशहाल जीवन जीना है पुलिस पेंशनर जिला अध्यक्ष मोहम्मद खलील खान ने उद्बोधन में नशा करना परिवार के सदस्यों का खून पीने जैसा है। प्रत्येक नशा के पैकेज पर चेतावनी लिखी रहती है सेवन करने से कैंसर जैसी बीमारी होती है जिंदगी भर परिवार के सुख के लिए खून पसीने की मेहनत की कमाई से पैसा जोड़कर अपने बच्चों के भविष्य की तैयारी करते हैं लेकिन नशे के सेवन से हुई बीमारी में पूरा पैसा लग जाता है साथ ही परिवार कर्ज में डूब जाता है फिर भी इंसान नहीं बच पाता इसलिए हर हाल में नशा से मुक्त रहें और अपने परिवार सहित खुशहाल जीवन व्यतीत करें संदेश दिया।

बजरंग दल द्वारा चलाए जा रहे सेवा सप्ताह में शामिल हुई विधायक उमा देवी खटीक

हटा। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा चलाए जा रहे सेवा सप्ताह के चौथे दिवस शासकीय सिविल अस्पताल हटा में साफ सफाई की गई। इसके पूर्व में 24 तारीख को श्री राम मंदिर बड़ा बाजार में 25 तारीख को नवघाट में 26 तारीख को भूतेश्वर मंदिर एवं सुरभि गौ शाला में साफ सफाई की गई। यह कार्यक्रम 24 जून से 30 जून तक चलाया जाएगा। जिसमें अलग-अलग स्थान पर सेवा का कार्य होगा जिसमें कल 28 तारीख को सुबह बिहारी जी मंदिर एवं शाम 4:00 बजे मां चंडी जी मंदिर मैं सेवा कार्य होगा। आज के कार्यक्रम में जिला प्रचारक दमोह अल्प समय की उपस्थिति रही एवं श्री राम मंदिर

प्रकल्प प्रमुख पूर्णकालिक द्वारिका हटा विधायिका उमा देवी लालचंद खटीक, डॉ उमाशंकर पटेल, जिला सह मंत्री राजेश पटेरिया, विश्व हिंदू परिषद प्रखंड अध्यक्ष बबलू राय प्रखंड संयोजक अजय चौरसिया, सत्संग प्रमुख सुनील सोनी, प्रखंड सह मंत्री बालमुकुंद साहू सह संयोजक पुष्पराज बलोउपासना, प्रमुख दीपक लखेरा विद्यालय प्रमुख शांतनु खटीक चंद्रभान पटेल, गंगाराम पटेल, मनीष पलिया, कमल रैकवार, राजा बाबू विश्वकर्मा, सुशील सेलट, नीरज रैकवार, हर्ष नेमा एवं सैकड़ों विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

दैनिक
सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

इंदौर पाती

इंदौर, शुक्रवार 28 जून , 2024

उपचुनाव के बाद होगी निगम मंडलों में नियुक्ति

भोपाल- निगम मंडल में अभी और करना होगा इंतजार, उपचुनाव के बाद होगी निगम मंडलों में नियुक्ति. एमपी विधानसभा चुनाव के बाद से सभी निगम खाली,बीजेपी के कुछ सीनियर नेताओं को नियुक्ति का इंतजार, कांग्रेस से बीजेपी में आए नेताओं को भी नियुक्ति का इंतजार, चुनाव में अहम भूमिका निभाने वाले नेताओं को मिल सकती है जिम्मेदारी।

फ्री में मांगी सब्जी, विरोध करने पर पुलिसकर्मी ने झूठे केस में फंसाने की दी धमकी

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर में खाकी की गुंडागर्दी सामने आई है दरअसल, एक पुलिसकर्मी पर सब्जी विक्रेताओं से फ्री में सब्जी लेने का आरोप लगा है विरोध करने पर झूठे केस में फंसाने की धमकी देने का भी आरोप लगा है। सब्जी व्यापारियों ने इस मामले उच्च अधिकारियों से न्याय की गुहार लगाई है। उन्होंने डीसीपी से जांच कर कार्रवाई की मांग की है इंदौर के डी.आर.पी. लाईन क्षेत्र में पुलिसकर्मियों ने सब्जी विक्रेताओं से फ्री में सब्जी लेने और विरोध करने पर धमकी देने का मामला सामने आया है पीड़ितों के मुताबिक, पवन शर्मा नाम का एक पुलिसकर्मी जो कथित तौर पर थाना परदेशीपुरा से संबंधित है नियमित रूप से कालका माता मंदिर के पास भंडारी ब्रिज के नीचे स्थित सब्जी विक्रेताओं से सब्जी फ्री में लेने के लिए धमकाता है।

आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई: जब्त की 11 लाख की विदेशी शराब

इंदौर। मध्य प्रदेश का मिनी बॉम्बे इंदौर में शराब की तस्करी के मामले लगातार बढ़ते जा रहे है। इसी बीच इंदौर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई कर 11 लाख की विदेशी शराब जब्त की है। इसके साथ ही एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि आरोपी हरियाणा से शराब लाकर इंदौर बेचता था।

कई इलाकों में आज भी जल संकट

इन्दौर। जलूद में लाइनों के कार्यों के चलते कल पानी सप्लाई प्रभावित हुआ था,जिसके चलते आज शहर की 8 टंकियां पूरी तरह खाली रहीं, जबकि मल्हार आश्रम की टंकियां आधी-अधूरी भर पाईं नर्मदा प्रोजेक्ट के अफसरों के मुताबिक जलूद में तीसरे चरण की नर्मदा लाइनों में सुधार कार्य के चलते पंप बंद किए गए थे और इसका असर दूसरे और तीसरे चरण की लाइनों पर भी पड़ा। इसी के चलते इन्दौर में सप्लाई किए जाने वाला पानी पूरी तरह प्रभावित हुआ। आज सुबह अन्नपूर्णा, भक्त प्रहलाद नगर, छत्रीबाग, सदर बाजार, सुभाष चौक, गांधी हॉल, लोकमान्य नगर, द्रविड़ नगर की टंकियां पूरी तरह खाली रहीं, जबकि मल्हार आश्रम की टंकी आधी अधूरी भर पाई, जिसके कारण शहर की दर्जनों कालोनियों में पानी के लिए लोग परेशान होते रहे।

डूब प्रभावितों की मुश्किलें सुलझाने और पुनर्वास में सुविधाएं बढ़ाने के लिए संभागायुक्त दीपक सिंह की संजीदा कोशिश

इंदौर। इंदौर के संभागायुक्त दीपक नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण में पुनर्वास आयुक्त का कार्य भी देख रहे हैं। कल सीएम यादव के निर्देश पर प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ धार जिले के डूब प्रभावित क्षेत्र में पहुँच रहे हैं। संभागायुक्त दीपक सिंह डूब प्रभावितों की समस्याओं को हल करने और पुनर्वास में सुविधाएं बढ़ाने की संजीदा कोशिश कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने नर्मदा बचाओ आंदोलन के प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक कर समस्याएं सुनी थी और इसके बाद धार ज़िले के जनप्रतिनिधि मंडल से इंदौर कार्यालय में भी चर्चा की थी। अब दीपक सिंह पुलिस महानिरीक्षक श्री अनुराग सहित धार झाबुआ अलीराजपुर जिले के कलेक्टर और पुलिस अधीक्षकों के साथ साथ ग्रामीण विकास विभाग के प्रमुख अधिकारियों के दल के साथ फील्ड में जाकर बैठक कर रहे हैं। संभागायुक्त द्वारा आज निसरपुर क्षेत्र में मौके पर जाकर ही ग्रामीणों से चर्चा भी की जाएगी।

इंदौर मेट्रो : 90 किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से दौड़ी मेट्रो ट्रेन

इंदौर। इंदौर की मेट्रो ने पहली बार सुपर कॉरिडोर पर 90 किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से दौड़ लगाई। सुपर कॉरिडोर पर गांधी नगर स्टेशन से टीसीएस चौराहे तक प्रायरिटी कॉरिडोर के 5.9 किलोमीटर हिस्से की दूरी मेट्रो ने तीन मिनट में पूरी की। इस तरह मेट्रो जिस अधिकतम गति के लिए डिजाइन की गई हैं, उसी स्पीड पर उसकी टेस्टिंग हुई। इसके पहले मेट्रो को अधिकतम 10 से 25 किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से चलाया गया था। उल्लेखनीय है कि इंदौर में जब मेट्रो यात्रियों को लेकर चलेगी, तब उसकी गति 80 किलोमीटर प्रतिघंटा रहेगी। उल्लेखनीय है कि भोपाल में करीब एक माह पूर्व इसी तरह की गति परीक्षण किया जा चुका है। सुपर कॉरिडोर पर मंगलवार रात 10 बजे से बुधवार सुबह 6 बजे का समय मेट्रो की स्पीड टेस्टिंग के लिए तय किया गया था। सुपर कॉरिडोर के जिस हिस्से पर टेस्टिंग की जानी थी, उस हिस्से में काम बंद रखा गया अभी मेट्रो के एक कोच सेट की गति जांच हुई। गांधीनगर डिपो में मौजूद पांच अन्य मेट्रो कोच सेट की भी भी इसी तरह गति जांच की जाएगी। मेट्रो प्रबंधन द्वारा दिसंबर तक सुपर कॉरिडोर के प्रायरिटी कॉरिडोर पर कमर्शियल रन की योजना है। इसके पहले रेल मंत्रालय के रिसर्च डिज़ाइन एंड स्ट्रक्चरल ऑर्गेनाइजेशन की टीम मेट्रो की टेस्टिंग कर अप्रूवल देगी। स्पीड टेस्टिंग के बाद अब मेट्रो कोच की ब्रेकिंग व इलेक्ट्रिसिटी व कैमरा टेस्टिंग होगी। मेट्रो को 80 की स्पीड पर चलाकर अचानक ब्रेक भी लगाकर ब्रेकिंग सिस्टम की जांच होगी। 90 की स्पीड पर मेट्रो को कलाकार प्रायरिटी कॉरिडोर के सिविल स्ट्रक्चर, सिग्नल और थर्डरेल पटरी जिससे मेट्रो कोच को बिजली मिलती है, उसकी जांच हो गई। अब मेट्रो के सभी पांचों कोच सेट के सॉफ्टवेयर में तय स्पीड अन्य मापदंडों को तय कर अपलोड किया जाएगा।

25 हजार पौधे रोपने की पहल, धर्म के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण भी

बाणेश्वरी कावड़ यात्रा में इस बार यात्रा के दौरान प्रत्येक कावड़ यात्री द्वारा 5 पेड़ लगाये जायेगे

इंदौर। शहर की सबसे बड़ी बाणेश्वरी कावड़ यात्रा इस बार कुछ अलग तरह की होगी। विधायक बनने के बाद गोलू शुक्ला इस कावड़ यात्रा को धर्म के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के कर्म के साथ भी जोड़ रहे हैं। यात्रा के दौरान प्रत्येक कावड़ यात्री 5 पेड़ लगाएगा। इस तरह से 180 किलोमीटर लंबे मार्ग पर 25 हजार पौधे रोपे जाने की योजना है। यात्रा 22 जुलाई से शुरू होगी।कावड़ यात्रा को लेकर शुक्ला ने एक बैठक में कहा कि हर बार कावड़ यात्रा में हम नर्मदा का पवित्र जल भगवान महाकालेश्वर पर चढ़ाते ही हैं, लेकिन इस बार पर्यावरण को भी हमें कुछ चढ़ाना है। इसलिए हमने निर्णय लिया है कि 25 हजार पौधे महेश्वर से महाकालेश्वर के बीच रोपे जाएंगे। प्रधानमंत्री के अभियान एक पौधा मां के नाम से ये पौधे लगाए जाएंगे, जिनमें छायादार ज्यादा पेड़ शामिल किए गए हैं। सांवेर रोड स्थित मौनी बाबा आश्रम पर हुई बैठक में बड़ी संख्या में कावड़ यात्रा से जुड़े लोग शामिल हुए। यात्रा संयोजक दीपेन्द्र सिंह सोलंकी ने बताया कि 21 जुलाई को मरीमाता चौराहे से बस द्वारा महेश्वर और वहां से 22 जुलाई को यात्रा का शुभारंभ होगा। बैठक में गजासीन शनि मंदिर के महामंडलेश्वर दादू महाराज, महामंडलेश्वर राधे-राधे बाबा, महामंडलेश्वर रामगोपाल दास महाराज, हंसदास मठ के पं. पवन दास महाराज, पार्षद मनीष शर्मा, जगजीवन प्रजापत, बबलू गागरे, नारायण चौहान, कमल शुक्ला, जीवन कश्यप, ओम अवस्थी, क्षेत्र क्र. 3 के दिनेश वर्मा, हरप्रीत बक्षी के साथ क्षेत्र के पार्षद एवं मंडल अध्यक्ष भी उपस्थित थे। 21 जुलाई को इंदौर से कावड़िए बसों में भरकर रवाना होंगे। 22 जुलाई को मां नर्मदा का अभिषेक होगा और यात्रा शुरू हो जाएगी। यह यात्रा 23 जुलाई को गुजरी से मानपुर, 24 जुलाई को मानपुर से महू, 25 जुलाई को महू से इंदौर में रात्रि विश्राम के बाद 26 को सुबह नगर भ्रमण करते हुए रेवती रेंज और 27 को रेवती रेंज से पंथपिपलई और वहां से 28 को रात्रि में उज्जैन पहुंचकर 29 की सुबह भगवान महाकालेश्वर के जलाभिषेक के साथ समाप्त होगी।

इंदौर: विक्रम टावर को किया गया सील, जांच के दौरान नहीं मिले फायर सेफ्टी के उपकरण , इमारतों में की जा रही अग्नि सुरक्षा उपकरणों की जांच

इंदौर। इंदौर शहर में बहुमंजिला इमारत और व्यावसायिक संस्थाओं में अग्नि सुरक्षा मापदंड की जांच की जा रही है। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर गुरुवार को जिला प्रशासन और नगर निगम की टीम ने सपना संगीता रोड स्थित विक्रम टॉवर को सील कर दिया। यहां अग्नि सुरक्षा नियमों का पालन नहीं किया जा रहा था। उपकरण पर्याप्त संख्या में नहीं थे, वहीं ऊपरी मंजिल तक पानी ले जाने के पाइपों में सुधार नहीं कराया गया।इंदौर शहर में जी प्लस थ्री (तीन मंजिला) इमारतों में अग्नि सुरक्षा उपकरण अनिवार्य किए गए थे। इमारतों में अग्नि सुरक्षा उपकरण लगाने के लिए प्रशासन ने एक माह का अवसर भी दिया। इसके बाद अब जांच की जा रही है।प्रशासन द्वारा दिए गए समय के बाद भी कई व्यावसायिक भवनों में अग्नि सुरक्षा के पर्याप्त व्यवस्था नहीं कि गई। गुरुवार को जूनी इंदौर एसडीएम घनश्याम धनगर ने विक्रम टॉवर की जांच की यहां पर अग्निशमन उपकरण पर्याप्त मात्रा में नहीं थे। अग्नि सुरक्षा उपकरणों की अनदेखी करने पर कार्रवाई करते हुए संस्थान को सील कर दिया।

इंदौर में अग्नि सुरक्षा को लेकर 18 हजार इमारतों को प्रशासन ने नोटिस जारी किए थे। एक माह का समय दिया गया था। इसके बाद सात दिन का अतिरिक्त समय बढ़ा दिया गया है। अब इमारतों की जांच कराई जा रही है, लेकिन कई ने अभी भी उपकरण नहीं लगाए है। सभी व्यावसायिक संस्थानों में उपकरण लगाए जाना अनिवार्य किया गया है।

इंदौर शहर में कई इमारतों में लग चुकी है आग

इंदौर शहर में पिछले दिनों कई इमारतों में आग की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इसके साथ ही कई शहरों में इमारतों में आग से लोगों की मौत हो चुकी है। इसके बाद से प्रशासन इस मामले को लेकर सतर्क है और शहर लगातार जांच की जा रही है।

इंदौर में खाद्य विभाग ने की बड़ी कार्यवाही- पलासिया क्षेत्र में स्थित मुल्थान पेट्रोल पम्प को किया गया सील

इंदौर। इंदौर कलेक्टर के निर्देशन में इंदौर जिले में उपभोक्ताओं को शुद्ध एवं सही माप से पेट्रोल डीजल उपलब्ध कराये जाने के लिए खाद्य विभाग द्वारा मुहिम चलाई जा रही है इस मुहिम के अंतर्गत कल गुरुवार को जिला प्रशासन एवं खाद्य विभाग के अमले ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए पलासिया क्षेत्र में स्थित एक पेट्रोल पंप को सील किया। खाद्य विभाग के सहायक आपूर्ति अधिकारी आईपीएस सेंगर ने बताया कि पलासिया स्थित मुल्थान रिफिल जंक्शन पेट्रोल पंप पर पेट्रोल-डीजल कम प्रदाय किये जाने की शिकायत पर कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देश पर खाद्य विभाग और नापतौल विभाग द्वारा छापामार कार्यवाही की गई। मौके पर सभी डिस्पेंसिंग यूनिट को खाद्य एवं नापतौल विभाग के अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से जांच की गई, जिसमें कुछ नोजल से पेट्रोल कम डिलीवर किया जाना पाया गया।

मौके पर डिस्पेंसिंग यूनिट का मीटर शून्य से प्रारंभ करने पर सीधे 30 एम एल से आगे बढ़ना पाया गया मौके पर पेट्रोल एवं पावर पेट्रोल की डेनसिटी में अंतर मानक छूट सीमा से अधिक पाया गया, जिससे मिश्रित पेट्रोल होने का संदेह होने के कारण कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देश पर पंप को मौके पर सील किया गया मौके पर उपस्थित प्रबंधक अजीत बिस्ट से पेट्रोल के नमूने लिए गए अनियमितता पाए जाने पर प्रबंधक से 13598 लीटर पेट्रोल एवं 7060 लीटर एक्स्ट्रा पावर पेट्रोल जब्त किए जाकर पंप के मालिक रघुबीर सिंह, प्रबंधक अजीत बिस्ट, डिलीवरी बॉय राजवीर गुप्ता के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/7 अन्तर्गत प्रकरण दर्ज किया गया जांच कार्यवाही में सहायक आपूर्ति अधिकारी आईपीएस सेंगर, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी अंकुर गुप्ता, शिव सुंदर व्यास और नापतौल निरीक्षक के. आर. चौधरी शामिल थे।

यातायात सुधार की विशेष पहल : चौराहों पर लेफ्ट टर्न चौड़ा करने, इंजीनियरिंग एवं तकनीकी सुधार सहित अन्य बाधाएं हटाने के कलेक्टर ने दिये निर्देश

कलेक्टर आशीष सिंह ने अधिकारियों के दल के साथ चौराहों का किया भ्रमण

इंदौर। कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देशन में अभियान चलाकर इंदौर शहर में यातायात सुधार की विशेष पहल की जा रही है। इसी के तहत शीघ्र ही शहर के अनेक चिन्हित चौराहों पर यातायात सुगम होगा। चिन्हित चौराहों पर लेफ्ट टर्न चौड़ा करने, इंजीनियरिंग एवं तकनीकी सुधार करने सहित अन्य बाधाएं हटाने के कार्य शुरू किये जा रहे है। इस संबंध में कलेक्टर आशीष सिंह ने अधिकारियों एवं विशेषज्ञों के साथ शहर के अनेक चौराहों का भ्रमण किया। उन्होंने अधिकारियों को चौराहों पर यातायात सुधार एवं वाहनों की आवाजाही की सुगमता के लिए शीघ्र ही कार्य प्रारंभ करने केनिर्देश दिए।

इस अवसर नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा, डीसीपी ट्रेफिक अरविंद तिवारी, अपर आयुक्त नगर निगम अभिलाष मिश्रा, इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आर.पी. अहिरवार, अपर कलेक्टर सपना लौवंशी सहित नगर निगम, ट्रॉफिक पुलिस सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर आशीष सिंह ने अपने भ्रमण के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिये है कि यातायात सुधार के संबंध में चौराहों के लेफ्ट टर्न को चौड़ा करने, चौराहों पर बनी रोटरी में आवश्यक सुधार करने, इंजीनियरिंग एवं तकनीकी तथा अन्य बाधाएं दूर करने के कार्य जल्द शुरू किये जाये। इसमें विशेषज्ञों की मदद भी ली जाये।

ज्ञात रहे कि पिछले दिनों सम्पन्न हुई जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में कलेक्टर आशीष सिंह ने वरिष्ठ अधिकारियों को मौका मुआयना कर चौराहों पर यातायात सुगम बनाने के निर्देश दिये थे। इसी क्रम में मुख्य रूप से 10 चौराहों का चयन कर निरीक्षण किया गया, जिसमे अधिकारियों के दल के साथ बिचौली हप्सी बायपास चौराहा, रेडिसन चौराहा, सत्य साई चौराहा, विजय नगर चौराहा, बापट चौराहा, पाटनीपुरा चौराहा, इंडस्ट्री हाऊस चौराहा तथा राजवाड़ा चौराहा का भ्रमण किया। इन चौराहों पर आवश्यकता के अनुसार सुधार कार्य करने के निर्देश दिये। इसके साथ ही शहर के जीपीओ एवं अग्रसेन चौराहों पर भी सुधार के कार्य अतिशीघ्र करने के निर्देश दिये।

पुरानी सड़कों के लिए नहीं है कोई योजना, थोड़ी सी बारिश होते ही शहर कई क्षेत्रों में जलजमाव की समस्या हो जाती है खड़ी

इंदौर। बारिश में जलजमाव की समस्या से निपटने के इंदौर नगर निगम मजबूत दावे कर रहा है। हकीकत यह है कि शहर में 127 किमी लंबी सड़कों पर बारिश का पानी निकालने की कोई व्यवस्था नहीं है। नगर निगम ने इन क्षेत्रों में स्टार्म वाटर लाइन डालने का कभी प्रयास ही नहीं किया।शहर में इन क्षेत्रों में जलजमाव की स्थिति में पानी की निकासी पूरी तरह से भगवान भरोसे है। यही वजह है कि थोड़ी सी बारिश होते ही इन क्षेत्रों में जलजमाव की समस्या खड़ी हो जाती है। लोगों का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। जल निकासी नहीं होने से पानी घरों में घुसने लगता है।हर साल नगर निगम दावा करता है कि शहर में स्टार्म वाटर लाइन डालने के काम में तेजी लाई जाएगी। धरातल पर काम किस तेजी से हो रहा है, इसका अनुमान इस बात से ही लगाया जा सकता है कि 2014 में स्टार्म वाटर लाइन डालने के लिए डीपीआर तैयार होने के बाद से अब तक काम ही पूरा नहीं हुआ। ऐसा नहीं कि स्टार्म वाटर लाइन की समस्या सिर्फ पुराने शहर में है, नए क्षेत्रों में भी कई क्षेत्र हैं, जहां विकास के नाम पर चौड़ी सड़कें तो बना दी गईं, लेकिन स्टार्म वाटर लाइन नहीं डाली गई।

27 किमी प्रति वर्ष की औसत गति से चल रहा है काम

शहर में स्टार्म वाटर लाइन बिछाने का काम पिछले करीब 10 वर्ष से चल रहा है। औसतन प्रतिवर्ष 27 किमी लाइन बिछाई जा रही है। इससे सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है कि 127 किमी सड़कों पर स्टार्म वाटर लाइन बिछाने में कितना समय लगेगा।

पुरानी सड़कों के लिए नहीं है कोई योजना

नगर निगम ने शहर में बनने वाली नई सड़कों के लिए तो स्टार्म वाटर लाइन डालने की अनिवार्यता लागू कर दी, लेकिन शहर के पुराने क्षेत्रों में सड़कों पर स्टार्म वाटर लाइन कैसे बिछाई जाएगी, इसे लेकर कोई योजना निगम के पास नहीं है। कुछ पुराने क्षेत्रों में निगम खुद ही पुरानी सड़कों के किनारे स्टार्म वाटर लाइन बिछा रहा है लेकिन इसकी गति भी अत्यंत कम है।

स्टार्म वाटर लाइनों के चैंबरों का रखरखाव नहीं

नई सड़कों पर स्टार्म वाटर लाइन डालने के साथ-साथ चैंबर भी बनाए जा रहे हैं, लेकिन इनके रखरखाव को लेकर किसी तरह की गंभीरता नहीं बरती जा रही। हालत यह है कि शहर में कई जगह स्टार्म वाटर लाइन चैंबर टूटे-फूटे पड़े हैं तो कहीं इन चैंबरों के आगे गाद जमा है। ये टूटे-फूटे चैंबर हादसों की वजह भी बन रहे हैं। सप्ताह भर पहले ही चैंबर की वजह से हुई एक दुर्घटना हो चुकी है। नगर निगम ने चैंबरों का रखरखाव देख रही निजी कंपनी पर एक लाख रुपये जुर्माना भी अधिरोपित किया था।

पुराने शहर में है सबसे ज्यादा समस्या

इंदौर शहर के पुराने हिस्से में स्टार्म वाटर लाइन की समस्या ज्यादा विकट है। पुराने शहर की संकरी सड़कों पर इतनी जगह ही नहीं है कि वहां स्टार्म वाटर लाइन के लिए अलग से खोदाई की जा सके। इसके अलावा जिन क्षेत्रों में वर्ष 2010 से पहले सड़कें बनी हैं, वहां भी कई जगह स्टार्म वाटर लाइनें नहीं डाली गई हैं।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, शुक्रवार 28 जून , 2024

संपादकीय | पेपर लीक के बढ़ते मामले चिंता का विषय

बीते कुछ महीनों में देश में विभिन्न प्रतियोगी और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने और संदेह के घेरे में आने के मामले लगातार उजागर होते रहे हैं। निश्चित रूप से सुनहरे भविष्य की आस में रात-दिन एक करने वाले प्रतिभागियों के सपने चकनाचूर होने के समान तो हैं ही, इस तरह के मामलों से प्रतिभागियों का विश्वास व्यवस्था से उठ जाता है। मैडिकल परीक्षा की पुरानी प्रक्रिया में व्याप्त विसंगतियों को दूर करने के लिए लाई गई नई व्यवस्था भी अब सवालों के घेरे में है। परीक्षाओं की जो पवित्रता भंग की गई है, उससे लाखों युवाओं के करियर और भविष्य अधर में लटके हैं। धनबल से पेपर, परीक्षा केंद्र, पेपर सैटर आदि खरीदे जा सकते हैं। धनबल के इस खेल में सबसे ज्यादा नुकसान उन बच्चों का होता है, जो ईमानदारी एवं एकाग्रतापूर्वक अपनी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। सरकार ने राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षाओं में पारदर्शिता लाने के लिए राष्ट्रीय परीक्षा एजैंसी (एन.टी.ए.) की स्थापना की थी। लेकिन नीट परीक्षा के नतीजों पर उठे सवालों ने इस संस्था और उसके कार्यों को संदेह के दायरे में ला दिया है। सवाल है कि जो माता-पिता अपने बच्चे की परीक्षा पास कराने के लिए 40 लाख रुपए प्रश्नपत्र के लिए खर्च कर सकते हैं, क्या वे देश में 'मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस.' पैदा करना चाहते हैं? यह घोर दंडनीय अपराध है। नीट प्रकरण के अलावा यू.जी.सी. नेट, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सी.एस.आई.आर.) और नीट-पीजी परीक्षाएं भी रद्द या स्थगित की गई हैं। इस तरह 37 लाख से अधिक युवाओं के भविष्य अनिश्चित हो गए हैं। छात्रों के सामने उम्र निकल

जाने का खतरा भी है। एन.टी.ए. की प्रक्रिया, परीक्षा-प्रणाली, आऊटसोर्स की मजबूरी, विशेषज्ञता के अभाव और मूल में भ्रष्टाचार आदि ऐसे बुनियादी कारण हैं, कि इस संस्थान को ही समाप्त करने की मांग की जा रही है। युवाओं के विरोध-प्रदर्शन इतने उग्र और व्यापक हो गए हैं कि एन.टी.ए. के महानिदेशक सुबोध कुमार सिंह को हटा कर एक सेवानिवृत्त आई.ए.एस. अधिकारी प्रदीप सिंह खरोला को इस पद का दायित्व सौंपना पड़ा। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने एक विशेष समिति का गठन किया है। बेशक उसमें महा विशेषज्ञ किस्म के महाबौद्धिक चेहरे शामिल हैं लेकिन वे एन.टी.ए. की तकनीक, परीक्षा-प्रविधि और अंतर्विरोधों के समाधान नहीं दे सकते। यह उनकी विशेषज्ञता से बिल्कुल अलग क्षेत्र है। समिति को 2 माह का समय दिया गया है। यह राजनीतिक विवाद भी बन गया है और प्रतिपक्षी नेता शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा मांग रहे हैं। बहरहाल विशेष समिति का काम नौकरशाही किस्म का नहीं होना चाहिए क्योंकि उससे व्यवस्था को छिद्रों से मुक्त नहीं किया जा सकेगा। पेपर लीक पर सरकार को सख्ती से कदम उठाने होंगे, तभी परीक्षाओं की विश्वसनीयता बन पाएगी। एक ही एजैंसी से बार-बार परीक्षा नहीं करवानी चाहिए। इसके लिए नियम बनाए जाने चाहिएं। दरअसल, कोचिंग सैंटरों के खेल व अंग्रेजी के वर्चस्व के चलते आरोप लगाए जाते हैं। आरोप हैं कि इस परीक्षा में हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं में परीक्षा देने वाले छात्रों को न्याय नहीं मिलता। बेहद गंभीर सवाल है कि अनिश्चितताओं के इस दौर में युवा छात्रों का क्या होगा? क्या सफल युवाओं को उनके मैडिकल कॉलेज आबंटित किए जाएंगे या नीट परीक्षा का परिणाम ही रद्द कर दिया जाएगा और परीक्षा दोबारा होगी? परीक्षाओं की पवित्रता का निर्वहन करने की बजाय समस्त परीक्षा एजैंसियां धन लोलुपता की शिकार हो चुकी हैं। बार-बार परीक्षाएं स्थगित या रद्द हो रही हैं। विद्यार्थियों के साथ अन्याय हो रहा है। कई कोचिंग सैंटर दलाल बन गए हैं। पेपर लीक से लेकर ग्रेस अंक और असामान्य अंक देना किसी भी परीक्षा संस्था के विरुद्ध सवालों की लड़ियां तो अवश्य खड़ा करेगा। केंद्र सरकार ने नकल विरोधी कानून पिछले दिनों लागू कर दिया है, इसके प्रावधानों को और कड़ा बनाया जाना चाहिए। परीक्षा के वर्तमान स्वरूप में व्यापक स्तर पर सुधार और साफ-सफाई करनी पड़ेगी क्योंकि लाखों युवा भारतीयों का भविष्य दांव पर है। बहरहाल, यह मामला जांच के लिए सी.बी.आई. को सौंप दिया गया है। उम्मीद की जानी चाहिए कि गुनाहगार पकड़े जाएंगे और प्रतिभागियों को भी न्याय मिलेगा।

बड़े शहरों में सुरक्षा मानकों पर फेल हैं कई खेल

शहरों-महानगरों में बने व्यावसायिक परिसरों या माल में जाने वाले लोग आमतौर पर सामान की खरीदारी के अलावा वहां होने वाली अलग-अलग गतिविधियों के प्रति भी आकर्षित होते हैं। इनमें पैसा चुका कर खेले जाने वाले कई तरह के खेल भी शामिल होते हैं, जो खासतौर पर बच्चों का ध्यान खींचते हैं। इन परिसरों में सुरक्षा के उच्च मानकों का पालन करने का दावा किया जाता है। मगर चंडीगढ़ के एक मशहूर माल में जिस तरह 'खिलौना ट्रेन' के अचानक पलट जाने से एक बच्चे की जान चली गई, उससे यही साबित हुआ है कि लोगों को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए ऐसी जगहों का प्रबंधन समूह कारोबारी गतिविधियां संचालित तो करता है, लेकिन उसके सुरक्षित होने को लेकर पर्याप्त फिक्र नहीं की जाती। माल में 'खिलौना ट्रेन' में बच्चों को बिठा कर उसे चलाते हुए इसका ध्यान रखने की जरूरत नहीं समझी गई कि गाड़ी में बैठे बच्चों की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित करनी है। नतीजतन, एक जगह मुड़ते हुए गाड़ी पलट गई और उसके डिब्बे से ग्यारह वर्ष के एक बच्चे के सिर में इस तरह चोट लगी कि उसकी जान चली गई।साफ है कि यह प्रबंधन की जिम्मेदारी उठाने में बरती गई घोर लापरवाही है, जिसकी कीमत एक परिवार को इस त्रासद तरीके से चुकानी पड़ी। व्यावसायिक परिसरों में ऐसे मामले अक्सर सामने आते हैं, जहां मनोरंजन आदि के लिहाज से किसी खेल का संचालन किया जाता है। मगर वहां सुरक्षा इंतजामों को लेकर जरूरी सावधानी नहीं बरती जाती है, जिसका खमियाजा वहां आए बच्चों या लोगों को भुगतना पड़ता है। ज्यादा दिन नहीं बीते हैं जब गुजरात के राजकोट में एक खेल परिसर में आग लगने से कम से कम तीस लोगों की जान चली गई थी। इस तरह के हादसों के उदाहरण होने के बावजूद व्यावसायिक परिसरों में बच्चों के लिए आयोजित गतिविधियों में हर स्तर पर जरूरी सावधानी क्यों नहीं बरती जाती है? वहां कारोबार या मनोरंजन गतिविधियों के मामले में सुरक्षा या व्यवस्था संबंधी मामलों की निगरानी और उसकी जांच किसकी जिम्मेदारी है? किसी बड़े हादसे के बाद सरकार और प्रशासन के बीच जैसी सक्रियता देखी जाती है।

आज का कार्टून

क्यों न जीएसटी को 'गुड एंड सिंपल' टैक्स बनाया जाए!

केंद्र व राज्य सरकारों के स्तर पर ईमानदार करदाताओं के लिए प्रक्रिया सरल बनाने को जी.एस.टी. प्रशासन सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाए। फर्जी चालान, फर्जी आई.टी.सी. क्लेम व टैक्स चोरी जैसे गंभीर अपराधों से निपटने के लिए जी.एस.टी. एक्ट की धारा 132 के तहत गलत तरीके से इनपुट टैक्स क्रैडिट या अधिक रिफंड लेने पर 3 साल जेल की सजा का प्रावधान है। ऐसे में नियमों का सरलता से पालन तय करने के लिए जी.एस.टी. अधिकारियों को अपने व्यवहार में भी बदलाव लाना होगा। कड़ा कानून केवल फंसाने का जरिया नहीं समझना चाहिए। टैक्स चोरी जैसा अपराध होने की आंशका के बावजूद इसकी रोकथाम के प्रयास तेज करने की बजाय अपराध होने देने का इंतजार करना व फिर दंडित करने का दबाव बनाकर भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया जा रहा है।

डा. अमृत सागर मित्तल

एक जुलाई को वस्तु एवं सेवा कर यानी जी.एस.टी. लागू होने के 7 साल पूरे होने जा रहे हैं। 2017 से लागू इस टैक्स सिस्टम में कई सारे सुधारों की दरकार है। नई सरकार पहले 100 दिन के कार्यकाल में जी.एस.टी. को और सरल बनाने पर विचार करे। जी.एस.टी. दरों, छूट या इनपुट टैक्स क्रैडिट (आई.टी.सी.) व कुछ वस्तुओं व सेवाओं पर लागू टैक्स को लेकर विवाद बढ़ रहे हैं। रिटर्न में मामूली चूक के कारण भी केंद्र व राज्य की जी.एस.टी. अथॉरिटी द्वारा कारोबारियों को जारी डिमांड नोटिस परेशानी का एक बड़ा कारण हैं।

जी.एस.टी. अधिकारियों ने इसके लागू होने के पहले 1 साल के भीतर ही, यानी वित्त वर्ष 2018 की रिटर्न व आई.टी.सी. दावों में जाने-अनजाने हुई चूक पर 1,500 कारोबारियों को 1.45 लाख करोड़ रुपए के डिमांड नोटिस जारी कर दिए। एक नए टैक्स सिस्टम के शुरूआती दौर में ऐसी मामूली चूक से विवादों का बढ़ना स्वाभाविक है लेकिन जी.एस.टी. के तहत विवाद समाधान को 'गुड एंड सिंपल' टैक्स यानी अच्छे एवं सरल कर के रूप में स्थापित करने के लिए कई सारे सुधारों की जरूरत है। हालांकि 22 जून को जी.एस.टी. काऊंसिल की 53वीं बैठक में डिमांड नोटिस पर ब्याज व जुर्माने की माफी का ऐलान किया गया, पर जब तक इन विवादों का पूरी तरह से निपटान नहीं हो जाता, तब तक नोटिस की तलवार कारोबारियों के सिर पर लटकी है। इस बात को लेकर संशय बना हुआ है कि क्या जी.एस.टी. अधिकारी इतने बड़े पैमाने पर डिमांड नोटिस या कारण बताओ नोटिस का सही समय पर सही निपटान कर पाएंगे? कई मामलों में लंबी मुकद्दमेबाजी से राजस्व व व्यापार दोनों के लिए अनिश्चितताएं बढ़ जाती हैं, जिससे विवाद समाधान व्यवस्था पर लंबित मामलों का बोझ बढ़ता जाता है।

टैक्स दरों को और आसान करके संभावित विवादों को काफी हद तक कम किया जा सकता है क्योंकि कई सारी मिलती-जुलती वस्तुओं व सेवाओं पर जी.एस.टी. की अलग-अलग दरें लागू हैं। यदि ये एक समान दरों के दायरे में आएंगी तो कारोबारी मामूली चूक से भी बच सकेंगे। उदाहरण के लिए बेकरी की वस्तुओं में ब्रैड से मिलती-जुलती वस्तुओं पर ही जी.एस.टी. की अलग-अलग दरें परेशानी का कारण हैं। जी.एस.टी. विवादों पर अंकुश लगाने व इनके जल्दी और निष्पक्ष निपटान के लिए जी.एस.टी. दरों को युक्तिसंगत बनाना तत्काल प्राथमिकता होनी चाहिए, क्योंकि टैक्स कलैक्शन में बढ़ौतरी के लिए अस्पष्टताओं को दूर कर वर्तमान टैक्स स्ट्रक्चर को सुव्यवस्थित करने की जरूरत है। इसमें जी.एस.टी. की मौजूदा चार दरों का 2 या 3 दरों में विलय किया जा सकता है। दरें घटाए जाने से

टैक्स चोरी जैसे मामलों का भी निर्णायक समाधान होने की संभावना बढ़ेगी।

1200 से अधिक वस्तुओं व सेवाओं पर जी.एस.टी. की 4 स्लैब दरों में 5, 12, 18 व अधिकतम 28 प्रतिशत लागू है। इसके अलावा कुछ वस्तुओं व सेवाओं पर जीरो, 0.25, 1.5 और 3 प्रतिशत की विशेष दरें भी लगती हैं। मजे की बात यह है कि कई खाद्य पदार्थों पर 5 से 18 प्रतिशत जी.एस.टी. लगता है जबकि सोने के जेवरों पर सिर्फ 3 प्रतिशत। जी.एस.टी. के अस्तित्व में आने से पहले ट्रैक्टर समेत तमाम कृषि उपकरण टैक्स मुक्त थे, लेकिन इन पर भी लागू 12 प्रतिशत जी.एस.टी. में बदलाव बारे तत्काल पुनर्विचार की जरूरत है ताकि देश के लाखों गरीब किसान भी बेहतर खेती के लिए सस्ते उपकरण खरीद सकें।

केंद्र व राज्य सरकारों के स्तर पर ईमानदार करदाताओं के लिए प्रक्रिया सरल बनाने को जी.एस.टी. प्रशासन सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाए। फर्जी चालान, फर्जी आई.टी.सी. क्लेम व टैक्स चोरी जैसे गंभीर अपराधों से निपटने के लिए जी.एस.टी. एक्ट की धारा 132 के तहत गलत तरीके से इनपुट टैक्स क्रैडिट या अधिक रिफंड लेने पर 3 साल जेल की सजा का प्रावधान है। ऐसे में नियमों का सरलता से पालन तय करने के लिए जी.एस.टी. अधिकारियों को अपने व्यवहार में भी बदलाव लाना होगा। कड़ा कानून केवल फंसाने का जरिया नहीं समझना चाहिए। टैक्स चोरी जैसा अपराध होने की आंशका के बावजूद इसकी रोकथाम के प्रयास तेज करने की बजाय अपराध होने देने का इंतजार करना व फिर दंडित करने का दबाव बनाकर भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया जा रहा है।

'नॉन कंप्लायंसेज' रोकने व अधिकांश करदाताओं, खासकर उन एम.एस.एम.ईज की मदद करने के लिए एक विश्वसनीय रणनीति की जरूरत है, जो जानबूझकर कानून का उल्लंघन नहीं कर रहे बल्कि अनजाने में चूक कर जाते हैं। रिटर्न जांच, ऑडिट या इंफोर्समैंट के दौरान पाई गई साधारण डाटा गलतियों, विसंगतियों या नॉन कंप्लायंसेज को कम करने के लिए विभाग द्वारा एडवाइजरी जारी करने से कारोबारियों को विवाद से बचाया जा सकता है। करदाताओं को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि तेजी से बढ़ते डिजिटल माहौल में उनका रिटर्न डाटा सटीक, सुसंगत व फुलप्रूफ हो। इससे मामूली चूक से भी बचने में मदद मिलेगी जो कई बार बड़े विवादों का कारण बन सकती है। डाटा गुणवत्ता के प्रति अधिक संवेदनशीलता से डिमांड नोटिस जैसे मामलों में भारी कमी लाई जा सकती है।

पंजाब जैसे राज्य में 'इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर' के तहत आने वाली औद्योगिक इकाइयों, जिनके तैयार माल की तुलना में कच्चे माल पर अधिक जी.एस.टी. लगता है, को राज्य सरकार अपनी इंडस्ट्रियल पॉलिसी के तहत निश्चित पूंजी निवेश (एफ.सी.आई.) पर नकद प्रोत्साहन से इंकार कर रही है। ऐसे मुद्दों के निपटान के लिए एक राष्ट्रीय ऑनलाइन मंच की मदद से केंद्रीय व राज्य प्रशासन एक ऐसा समाधान शुरू कर सकते हैं जिससे करदाताओं को कई अथारिटीज व अदालतों के चक्कर से बचाया जा सकता है।

केंद्र सरकार ने हाल ही में घोषणा की है कि कई चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में केंद्र व राज्य की जी.एस.टी. अथारिटीज द्वारा संयुक्त रूप से जी.एस.टी. ऑडिट कराया जाएगा, ऐसे समाधान का विस्तार इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर के तहत आने वाले कारोबार पर भी लागू किया जा सकता है। निष्पक्षता व समयबद्धता से विवादों के निपटान को जी.एस.टी. सुधारों में शामिल करना समय की मांग है।

जीवन की सबसे बड़ी कमाई है ज्ञान का पन्ना

पावनी

अक्सर लोग अपने आप से तरह-तरह के सवाल करते हैं कि उनका यह जीवन ऐसा या वैसा है तो आखिर किसलिए है। कुछ लोग सोचते हैं कि आखिर वे कौन हैं, उनका इस जगत में क्या स्थान है। व्यवहार मनोवैज्ञानिक सप्रमाण यह कहते हैं कि इस दुनिया के बहत्तर फीसद लोग लगभग इसी तरह का चिंतन करते हैं। इन सवालों का जवाब हमको मिलता है किताबों में। किताब एक ऐसी तिजोरी है, जिसमे बेहिसाब दौलत भरी पड़ी है। इसे पढ़कर जो भी इस संपदा को पा लेता है, वह सबसे बढ़कर धनवान बनता है। जिज्ञासा शांत होने पर अनमोल धन यानी संतोष धन मिलता है।

कहा भी गया है कि 'जब आवै संतोष धन, सब धन धूरि समान।' किताब एक चमत्कार तो करती ही है, वह पढ़ने वाले में हौले-से एक जादुई खुशी तरंगित कर देती है कि वह उदासी और अवसाद से बाहर निकलकर एक संपूर्ण मनुष्यता के भाव में बहने लगता है। इसलिए एक पुस्तक पढ़ना बिल्कुल वैसा ही है जैसे किसी अंतरंग मित्र से गपशप करना। अच्छी और उपयोगी पुस्तक का ज्ञान व्यक्ति को नई सीमाओं तक पहुंचने का जरिया बनाता है। जब व्यक्ति पुस्तक को पढ़ने के साथ गुन भी लेता है, तब वह एक अद्भुत ऊर्जा को महसूस करता है और अपनी सीमाओं से संघर्ष करता है। वह अपनी दैहिक और मानसिक सीमाओं को पार करने का कौशल विकसित करता है। इसके बाद, व्यक्ति नए स्तरों को प्राप्त करने के लिए एक नया आत्मविश्वास और क्षमताएं प्राप्त करता है। इस लिहाज से किताब खुशी और संतोष के अलावा संघर्ष के लिए साहस को ताकत देती है। महात्मा गांधी ने जान रस्किन की 'अनटु द लास्ट' पढ़कर अपने भीतर एक अनोखा परिवर्तन महसूस किया था, जिसे उन्होंने 'सर्वोदय' के रूप में रूपांतरित किया और एक शिक्षण उपकरण के रूप में उपयोग करना चुना। इसी तरह लियो टाल्स्टाय की पुस्तक 'द किंगडम आफ गाड इज विदइन यू' से गांधीजी काफी प्रभावित हुए थे और उन्होंने मानवता की रक्षा के लिए अहिंसा को विरोध का शस्त्र बनाया। दक्षिण अफ्रीका में संघर्ष के केंद्र के रूप में स्थापित आश्रम का नाम भी उन्होंने टाल्सटाय आश्रम रखा।

आजकल कुछ विद्यालय भी पढ़ने को एक जरूरी गतिविधि बना रहे हैं और अकबर-बीरबल और तेनालीराम की पुस्तकों को विद्यार्थियों के ग्रीष्मकालीन अवकाश के अध्ययन के लिए शामिल कर रहे हैं। कारण यह कि इन किताबों में सहज ही जीवन की छोटी-बड़ी समस्या का सरल समाधान मिल जाता है। साथ ही तत्कालीन भारत के माहौल और आचार-व्यवहार की झलक भी मिलती है। पुस्तकें मनुष्य के नैतिक मूल्यों को पोषित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। संतों और प्रसिद्ध लोगों द्वारा लिखी गई किताबें हमें एक अच्छा इंसान बनने के सही नैतिक मूल्यों के बारे में सिखाती हैं। अगर 'पंचतंत्र' और 'हितोपदेश' जैसी पौराणिक कृतियां जीवन का नैतिक संस्कार सिखाती हैं तो 'सिंहासन बत्तीसी' और 'चंद्रकांता संतति' जैसी किताबें हमें जीवन के अनेक अनदेखे पहलू भी दिखा देती है। उसी तरह 'हैरी पाटर' और 'सिंड्रेला' जैसी किताबें हमें जीवन की कड़वी सच्चाइयों से दूर खूबसूरत दुनिया के बारे में सपने दिखाती हैं।

किताबें हर बच्चे के लिए बचपन का असली खजाना हैं। ये अच्छाई और बुराई के बीच फर्क करना भी सिखाती हैं। एक इंसान के शौक कई तरह के हो सकते हैं। उनमें से कुछ किताबों के शौक रखने वाले लोग होते हैं जो कभी अकेलापन महसूस नहीं करते और अपने जीवन में एक बेहतर दोस्त होने का अनुभव करते हैं। किताब का लेखक अपने जीवन भर के सफर और अपने ज्ञान को शब्दों में पिरो कर उसे एक किताब का रूप देता है। ऐसे अनेक लेखकों के अनेक तरह के विचार हमारे सामने एक किताब के रूप में होता है, जिसे पढ़कर मनुष्य के मस्तिष्क में सकारात्मक और शांत विचारों की धारा प्रवाहित होने लगती है। चीजों को गहराई से अनुभव करने में किताबों की भूमिका किसी के छिपी नहीं है।

एक तरह से किताब औषधि का भी काम करती है जो जीवन की हर छोटी-बड़ी दुविधा से बाहर आने का रास्ता क्षण भर में दिखा देती है। किताबों में लिखे शब्दों को लेखक अपने अंदाज में लिखता है, जिसे कविता, लेख, शायरी या कहानी के रूप में पढ़ा या सुना जाता है, मगर शब्दों का अर्थ वही होता है। हालांकि यह किसी लेखक के अंदाज पर निर्भर करता है कि वह किस तरह अपनी बातों को लोगों के सामने रखता है। इसलिए जरूरी है कि युवाओं को किताबों को पढ़ने के लिए प्रेरित किया जाए, जिसके माध्यम से युवा या अन्य वर्ग के लोग एक दूसरे के विचारों से रूबरू हो सकें। शायद यही वजह है कि महान कथाकार और कहानी सम्राट प्रेमचंद की लिखी हुई कहानियां आज भी दुनिया-भर में बहुत अधिक पढ़ी जाती हैं।

संक्षिप्त समाचार

एसबीआई ने बॉन्ड के माध्यम से 10,000 करोड़ रुपए जुटाए

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने बुधवार को अपने पांचवें बुनियादी ढांचा बॉन्ड के जरिए 10,000 करोड़ रुपए जुटाए हैं। सार्वजनिक क्षेत्र के ऋणदाता ने यह राशि 7.36 प्रतिशत की कूपन दर पर जुटाई है। एसबीआई ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि इस निर्गम को निवेशकों

से जबर्दस्त प्रतिक्रिया मिली और 19,884 करोड़ रुपए से अधिक की बोलियां प्राप्त हुईं। इसे 5,000 करोड़ रुपए के आधार निर्गम आकार के मुकाबले लगभग चार गुना अधिक अभिदान मिला।

बैंक ने कहा कि उसे कुल 143 बोलियां मिलीं, जो बोलियों की विविधता के साथ व्यापक भागीदारी का संकेत देता है। निवेशक भविष्य निधि, पेंशन कोष, बीमा कंपनियों, म्यूचुअल फंड, कॉरपोरेट्स आदि से थे। बैंक ने कहा कि बॉन्ड के माध्यम से मिलने वाली राशि का उपयोग बुनियादी ढांचे और किफायती आवास क्षेत्रों के वित्तपोषण के लिए किया जाएगा। एसबीआई ने कहा, प्रतिक्रिया के आधार पर बैंक ने सालाना देय 7.36 प्रतिशत की कूपन दर पर 10,000 करोड़ रुपए स्वीकार करने का फैसला किया है।

डॉलर की मजबूती के कारण येन 38 साल के निचले स्तर पर

नईदिल्ली, एजेंसी। एशिया के बाजार आज गिरावट के साथ खुले हैं। येन करीब 4 दशक के निचले स्तर पर फिसल चुका है। जापान का निक्केई इंडेक्स 0.93 प्रतिशत गिरकर खुला। दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स में भी 1 प्रतिशत की कमजोरी दिख रही है। हैंग सैंग से भी कमजोरी कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले येन 160.82 के स्तर पर फिसल चुका है, जो 1986 के बाद सबसे कमजोर है। येन डॉलर के मुकाबले 38 साल के निचले स्तर पर है। येन में महीने भर में लगभग 2 प्रतिशत और वर्ष के लिए 12 प्रतिशत की गिरावट आई है, जिसका मुख्य कारण संयुक्त राज्य अमेरिका और जापान के बीच महत्वपूर्ण ब्याज दर अंतर है।

बजट में स्टैंडर्ड डिडक्शन दोगुनी करने या कर छूट की सीमा बढ़ाकर 3.5 लाख रुपए करने पर हो विचार: ईवाई

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार को आगामी बजट में नई रियायती कर व्यवस्था के तहत स्टैंडर्ड डिडक्शन को दोगुना करके एक लाख रुपए करना चाहिए या मूल कर छूट की सीमा को बढ़ाकर 3.5 लाख रुपए करना चाहिए। कर और सलाहकार कंपनी ईवाई ने यह राय जताई है। आगामी बजट में कराधान सुधारों की प्राथमिकताओं का उल्लेख करते हुए ईवाई ने कहा है कि सरकार को कर ढांचे को सुव्यवस्थित करने, आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत ढांचे को बेहतर बनाने और निवेश तथा वृद्धि के लिए अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देने को प्राथमिकता देनी चाहिए। ईवाई ने सुझाव दिया कि कॉरपोरेट कर की दरों में स्थिरता रखी जाए, टीडीएस प्रावधान को युक्तिसंगत बनाया जाए, तथा विवाद समाधान को सुव्यवस्थित किया जाए। कंपनी ने कहा कि व्यक्तिगत कर के मोर्चे पर छूट/कटौती के बिना रियायती कर व्यवस्था जारी रहनी चाहिए।

एमपी पीएससी ने हटाई राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा, 2024 की मॉडल आंसर की

इंदौर। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपी-पीएससी) ने राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2024 बीते रविवार को आयोजित की थी। इसके बाद बुधवार को आयोग ने मॉडल आंसर की जारी कर दी, लेकिन चंद घंटों बाद ही आयोग ने अपने पोर्टल से इसे हटा लिया वजह यह है कि परीक्षा के प्रश्न पत्र-2 (सेट सी) के 20 प्रश्न के गलत उत्तर दर्शा दिए। इसके बाद आयोग को ईमेल और फोन आने शुरू हो गए। इस पर तुरंत अधिकारियों ने मॉडल आंसर की को हटाने का आदेश दिया। जिसके बाद पोर्टल से इसे हटा लिया गया था।

50 से ज्यादा जिलों में बनाए थे 461 परीक्षा केंद्र

कुछ अभ्यर्थियों का कहना है कि प्रश्न पत्र में कुछ सवाल भी गलत पाए गए। आयोग अब

अगले कुछ दिन में दोबारा संशोधित आंसर की जारी कर सकता है। रविवार को 50 से ज्यादा जिलों में 461 केंद्रों पर आयोग ने परीक्षा करवाई थी एक लाख 53 हजार अभ्यर्थी इसमें शामिल हुए। अकेले इंदौर में 83 केंद्र बनाए गए, जिनमें 27 हजार अभ्यर्थी बैठे थे। राज्य प्रशासनिक सेवा के 110 पद और राज्य वन सेवा के 14 पदों के लिए इस परीक्षा का आयोजन किया गया था।

● पीएससी का पेपर लीक होने की उड़ी थी अफवाह

परीक्षा से एक दिन पहले पीएससी का पेपर लीक होने की अफवाह उड़ी थी। सोशल मीडिया पर एक पेपर वायरल हो रहा था, जिसे परीक्षा का पेपर बताया जा रहा था। मध्य प्रदेश लोकसेवा आयोग ने इसे भ्रामक बताया था। उन्होंने कहा था कि परीक्षा में सुरक्षा के सभी इंतजाम किए गए हैं। कोई पेपर लीक नहीं हुआ है।

इंदौर के इस कॉलेज में शुरू होगा एग्रीकल्चर कोर्स, मेरिट आधार पर मिलेगा प्रवेश

इंदौर। इंदौर स्वच्छता में मिसाल बनने वाले इंदौर में कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए महाविद्यालय में अब एग्रीकल्चर कोर्स भी शुरू किया जा रहा है. फिलहाल, सीएलसी राउंड से बीएससी एग्रीकल्चर कोर्स जोड़ा गया है. इसके लिए सीएलसी राउंड के रजिस्ट्रेशन 13 जुलाई तक होंगे दरअसल, नवीन शैक्षणिक सत्र 2024-25 में छात्र कृषि से जुड़े कोर्स कृषि महाविद्यालय, विश्वविद्यालय के अलावा अन्य महाविद्यालयों में भी पढ़ सकेंगे. राज्य शासन ने इसके लिए बड़ा फैसला लिया है. इसके तहत उच्च शिक्षा विभाग ने 18 नए महाविद्यालय में बीएससी एग्रीकल्चर कोर्स शुरू करने के आदेश जारी कर दिए हैं. इससे अब सीधे तौर पर छात्रों को फायदा होगा इंदौर के होलकर साइंस कॉलेज में बीएससी एग्रीकल्चर का कोर्स शुरू करने के लिए राज्य शासन से मंजूरी मिल चुकी है. कृषि स्नातक का यह पाठ्यक्रम वर्तमान नवीन सत्र से ही शुरू किया जा रहा है, जिसके लिए 50-50 सीटे आवंटित हैं. छात्र अब कृषि महाविद्यालय के साथ-साथ परंपरागत विश्वविद्यालय व महाविद्यालय में भी कृषि से संबंधित कोर्स की पढ़ाई कर सकेंगे. दो दिन में इस कोर्स का नाम भी होलकर साइंस कॉलेज की कोर्स लिस्ट में जुड़ जाएगा. छात्रों को मेरिट आधार पर प्रवेश मिलेगा. होलकर कॉलेज सहित प्रदेश के 18 ऑटोनॉमस कॉलेज में यह कोर्स इसी सत्र 2024 से आरंभ हो गया है।

यूजीसी ने दिए निर्देश:अक्टूबर के बाद कॉलेज में एडमिशन कैंसिल करवाने पर नहीं लौटाई जाएगी फीस

इंदौर। 2024-25 सत्र को लेकर शैक्षणिक संस्थानों में स्नातक-स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। इस बीच विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने फीस लौटाने को लेकर दिशा निर्देश जारी किए है, जिसमें 30 सितंबर तक विद्यार्थियों का प्रवेश निरस्त होने पर पूरी फीस लौटाई जाएगी महज एक हजार रुपये प्रोसेसिंग फीस देना होगा। मगर 31 अक्टूबर बाद प्रवेश नहीं लेने पर विद्यार्थियों को फीस नहीं लौटाई जाएगी। इस संबंध में यूजीसी ने कुछ गाइडलाइन बनाई है। मामले में उच्च शिक्षा विभाग ने कॉलेजों को निर्देश दिए है और 30 सितंबर से 31 अक्टूबर के बीच प्रवेश निरस्त प्रक्रिया पूरी करना है।

साल बचाने के लिए किसी भी कॉलेज में ले लेते हैं एडमिशन

दरअसल जून से लेकर सितंबर के बीच देशभर में प्रवेश प्रक्रिया चलती है। कई बार काउंसलिंग समय पर नहीं होने की वजह विद्यार्थी साल बचाने के लिए किसी भी संस्थान व पाठ्यक्रम में दाखिला लेते है। मगर बाद में पसंदीदा पाठ्यक्रम व संस्थान मिलने पर छात्र-छात्राएं पूर्व में प्रवेश ले चुके संस्थान को छोड़ना चाहते है, लेकिन फीस भरने के चलते वह ऐसा नहीं कर पाते है।इस समस्या से निपटने के लिए यूजीसी ने फीस रिफंड को लेकर गाइडलाइन बनाई है। ताकि विद्यार्थी आसानी प्रवेश निरस्त करवा सके। 30 सितंबर तक प्रवेश निरस्त करने पर पूरी फीस संस्थान को देना है। जबकि 30 सितंबर के बाद प्रवेश निरस्त करने पर कुछ प्रतिशत की राशि काटी जाएगी।

22 से 29 अक्टूबर तक 50 फीसद फीस काटी जाएगी

30 सितंबर से 15 अक्टूबर के बीच प्रवेश निरस्त करवाने पर 90 फीसद, 15 से 22 अक्टूबर के बीच सूचना देने पर 80 फीसद और 22 से 29 अक्टूबर तक 50 फीसद तक फीस की राशि काटी जाएगी। 31 अक्टूबर के बाद प्रवेश नहीं लेने पर फीस देने का विचार संस्थान अपने स्तर पर कर सकता है।

ACT Fellowship Program applications underway for 2024-25 cohort

ACT, a non-profit venture philanthropy platform, has opened applications for the third cohort of its ACT Fellowship Program. This initiative offers early to mid-career professionals a unique opportunity to gain hands-on experience in applying venture capital principles towards catalysing tech-led innovations to create social impact at scale, while developing their leadership and entrepreneurial skills.

Interested candidates must complete and submit an online application form by August 13. Shortlisted applicants will be invited for a virtual case interview, followed by an in-person interview with a member of ACT's leadership team. Interviews will be conducted on a rolling basis, and there will be limited spots.

Eligibility -

The 2024-25 cohort will accept six fellows into the programme. Applicants must meet the following criteria:-

– Be a resident Indian citizen.

– Hold a graduate degree in any discipline from an accredited university in or outside India.

– Have a minimum of two years of full-time work experience.

– Be willing to relocate to either Bombay, Delhi or Bangalore for the duration of the programme.

This fellowship is a nine-month, full-time and fully-funded apprenticeship programme that is designed for individuals looking to build a career in social impact, transition into impact investing or become social entrepreneurs.

The 2024-25 cohort will begin their journey in September 2024 and will build their real-world understanding of venture philanthropy by working alongside leading investors and exceptional social entrepreneurs.

Each fellow will be matched with one of ACT's four focus areas — education and skilling, public healthcare, climate action, and gender equity — and will be eligible for a monthly stipend of Rs 60,000. Through the programme, fellows will work on various live projects including sector research, deal-flow sourcing, due diligence, investment pitches, portfolio management, impact assessment, collaborative programmes, industry events, and ecosystem partnerships. Fellows from the previous cohorts have come from a diverse set of professional backgrounds like consulting, investment banking, startup operations, development sector programs etc.

NEET UG 2024: SC issues notice to NTA over OMR sheets

The Supreme Court on Thursday asked the National Testing Agency (NTA) whether there is any time limit for raising grievances regarding the OMR sheets provided to the candidates who appeared in NEET UG 2024. This notice was issued by a vacation bench of Justices Manoj Misra and SVN Bhatti.

This note was issued for a petition filed by Xylem Learning Private Limited in relation to NEET UG 2024. However, the bench quizzed the coaching centre on what fundamental right of the coaching centre has been violated.

"This is one of the reasons where we see this role played by the coaching centres, bagpipers. They have hardly any role to play. Their obligation and dut, if they have discharged their service that is the end of the matter. They have not undertaken to see that everything that Centre is supposed to do it will be taken care by them," said Justice Bhatti, as per Live Law.

However, Senior Advocate R Basant clarified that the petitioners also included students who were supposed to be given the OMR sheets. Following this, the Court inquired if there was any time limit for raising the grievance regarding the OMR sheets. "Normally in such matters if OMR sheets are uploaded and if there is any grievance, then there is a time limit."

While the NTA's Counsel said that he would have to check, he promptly submitted that no defined procedure exists to raise an objection.

1 जुलाई से बदल जाएंगे क्रेडिट कार्ड सहित कई चीजों के नियम

नईदिल्ली, एजेंसी। जून का महीना खत्म होने वाला है और अगले हफ्ते से जुलाई का महीना शुरू हो जाएगा। आगामी 1 जुलाई 2024 से वित्तीय क्षेत्र में कई सारे बदलाव होने वाले हैं। इसमें क्रेडिट कार्ड से जुड़े नए नियम के अलावा, पेटीएम, एसबीआई कार्ड सहित कुछ बैंक भी अपनी तरफ से नए नियम तय करने वाले हैं। आइए, जानते हैं कि 1 जुलाई 2024 से कौन-से वित्तीय नियम बदलने वाले हैं।

आईसीआईसीआई बैंक क्रेडिट कार्ड शुल्क- आईसीआईसीआई बैंक 1 जुलाई, 2024 से प्रभावी विभिन्न क्रेडिट कार्ड सेवाओं में संशोधन की घोषणा की है। इसमें सभी कार्ड (एमराल्ड प्राइवेट मेटल क्रेडिट को छोड़कर) पर कार्ड रिप्लेसमेंट फीस को 100 रुपए से बढ़ाकर 200 रुपए करना शामिल है।

पेटीएम वॉलेट- पेटीएम पेमेंट्स बैंक 20 जुलाई, 2024 को जीरो बैलेंस राशि वाले और पिछले वर्ष या उससे अधिक समय में कोई लेनदेन न करने वाले निष्क्रिय वॉलेट बंद कर देगा। पेटीएम पेमेंट्स बैंक की वेबसाइट के मुताबिक, कृपया ध्यान दें कि वे सभी वॉलेट जिनमें पिछले 1 साल या उससे अधिक समय से कोई लेनदेन नहीं हुआ है और जिनमें शून्य शेष राशि है, 20 जुलाई, 2024 से बंद हो जाएंगे। सभी प्रभावित यूजर्स को कम्यूनिकेट किया जाएगा। यूजर्स को अपना वॉलेट बंद करने से पहले 30 दिनों की सूचना अवधि दी जाएगी।

एसबीआई कार्ड क्रेडिट कार्ड नियम- एसबीआई कार्ड ने घोषणा की है कि 1 जुलाई, 2024 से कुछ क्रेडिट कार्ड के लिए सरकारी संबंधित लेनदेन पर रिवॉर्ड पॉइंट्स को स्टोर करना बंद कर दिया जाएगा। एसबीआई कार्ड की ऑफिशियल वेबसाइट के मुताबिक, उन एसबीआई क्रेडिट कार्ड की लिस्ट जहां 15 जुलाई, 2024 से सरकारी संबंधित लेनदेन पर रिवॉर्ड पॉइंट लागू नहीं होंगे-

पीएनबी रुपे प्लैटिनम डेबिट कार्ड- पंजाब नेशनल बैंक ने भी रुपे प्लैटिनम डेबिट कार्ड के सभी वेरिएंट के लिए लाउंज एक्सेस प्रोग्राम में संशोधन किया गया है। नए नियम 1 जुलाई, 2024 से लागू होंगे। इसमें प्रति तिमाही 1 (एक) घरेलू हवाई अड्डा/रेलवे लाउंज एक्सेस और प्रति वर्ष 2 (दो) इंटरनेशनल एयरपोर्ट लाउंज एक्सेस शामिल हैं।

क्रेडिट कार्ड बिल पेमेंट- भारतीय रिजर्व बैंक ने क्रेडिट कार्ड बिल पेमेंट को लेकर नया नियम जारी किया है। यह नियम 1 जुलाई 2024 से लागू होगा। नए नियम के अनुसार क्रेडिट कार्ड बिल पेमेंट के प्रोसेस में बदलाव होगा। इस बदलाव का सीधा असर फोनपे, क्रेड, बिलडेस्क और इंफीबीम एवेन्यूज जैसे फिनटेक प्लेटफॉर्म पर पड़ेगा।

आरबीआई ने सभी बैंकों को आदेश दिया है कि 1 जुलाई 2024 से सभी क्रेडिट कार्ड की पेमेंट भारत बिल पेमेंट प्रणाली के माध्यम से की जानी चाहिए।

मजदूर महिलाओं की थाली देख क्लिक किया आइडिया, 1.5 करोड़ का बिजनेस बना दिया

नईदिल्ली, एजेंसी। उत्तराखंड के संदीप पांडे ने 2009 में नैनीताल में रेस्टोरेंट खोलने के लिए दिल्ली में अपने इंजीनियरिंग करियर को छोड़ने का बड़ा फैसला लिया था। यह उनका सपना था। रेस्टोरेंट खुलने ही वाला था कि 2013 में विनाशकारी बाढ़ ने उनके सपनों को चकनाचूर कर दिया। सब कुछ बर्बाद हो गया। इस आपदा के बाद संदीप एक खेत में घूम रहे थे। यहां उन्होंने देखा कि कुछ मजदूर महिलाएं रोटी के साथ पिस्युन लून खा रही थीं। पिस्युन लून पारंपरिक पहाड़ी नमक होता है जो सिलबट्टे पर पीसा जाता है। यहीं से उन्हें आइडिया मिला। उन्होंने इस पारंपरिक नमक में व्यावसायिक क्षमता को पहचान लिया। आज उनकी कंपनी हिमफ्ला 55 किस्म के फ्लेवर्ड नमक बनाती है। इसकी बिक्री देश-विदेश में होती है।

सपना टूटा लेकिन नहीं मानी हार – बाढ़ में तबाह हुए सपने से एक सफल स्टार्टअप का नेतृत्व करने तक संदीप पांडे की कहानी दृढ़ता और मेहनत का एक उदाहरण है। उनकी कंपनी हिमफ्ला आशा और अवसर की किरण के रूप में खड़ी हुई है। यह उत्तराखंड की विरासत को जिंदा रखने के साथ ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बना रही है।

दोस्तों की मदद से शुरू की कंपनी – स्वादिष्ट पिस्युन लून और पहाड़ी महिलाओं के कठिन जीवन से प्रेरित होकर संदीप पांडे ने इसे एक व्यावसायिक अवसर में बदलने का फैसला किया। अगस्त 2013 में केवल 160 रुपये और अपने बचपन के दोस्तों सौरभ पंत और योगेंद्र सिंह की मदद से संदीप ने हिमालयन फ्लेवर्स के लिए हिमफ्ला की स्थापना की। उनका उद्देश्य केवल इस अनोखे प्रोडक्ट को बाजार तक पहुंचाना ही नहीं बल्कि ग्रामीण महिलाओं को रोजगार के अवसर भी प्रदान करना था।

मेलों में लगाया स्टॉल

शुरुआत में संदीप ने सिलबट्टा, ताजा धनिया और हरी मिर्च खरीदकर एक स्थानीय मेले में स्टॉल लगाया। उत्पाद के अनोखे स्वाद ने जल्दी ही ग्राहकों का दिल जीत लिया। तीसरे दिन तक उनका सारा माल बिक गया। हल्द्वानी में आयोजित बाद के मेलों में उन्हें और भी सफलता मिली। इससे स्थानीय मीडिया का ध्यान उनकी ओर गया और उनकी प्रतिष्ठा बढ़ी।

आज विदेश में बिकता है हमिफ्ला नमक

आज हिमफ्ला ने काफी तरक्की कर ली है। कंपनी अब हर महीने 2000 किलो तक स्वादिष्ट नमक बनाती है। यह पूरे भारत के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, ब्रिटेन, दुबई, जर्मनी, सिंगापुर और ब्राजील जैसे देशों में ग्राहकों तक पहुंचता है। स्टार्टअप 1.5 करोड़ रुपये के सालाना रेवेन्यू तक पहुंच गया है।

2023 में भारत को विदेश से रिकॉर्ड 120 अरब डॉलर मिले, पिछले साल के मुकाबले 7.5 फीसदी की वृद्धि

वाशिंगटन , एजेंसी। साल 2023 में भारत को विदेशों से रिकॉर्ड 120 अरब डॉलर मिले जो कि इसी दौरान मैक्सिको को मिले 66 अरब डॉलर के मुकाबले करीब दो गुना है। विश्व बैंक ने बुधवार को जारी अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। इसी अवधि में चीन को 50, फिलीपीन को 39 और पाकिस्तान को 27 अरब डॉलर हासिल हुए। साल 2021-22 की अवधि में दुनिया में तेज वृद्धि दर्ज किए जाने के बाद साल 2023 में निम्न और मध्यम आय वाले देशों में विदेशों से आने वाला पैसा 656 अरब डॉलर तक पहुंच गया।

रिपोर्ट में कहा गया है, भारत में विदेशों से आने वाला पैसा 7.5 फीसदी की दर से बढ़ा। इस दौरान महंगाई में कमी और भारत के दक्ष श्रमिकों के सबसे बड़े केंद्र अमेरिका के श्रम बाजार व अन्य देशों में दक्ष व कम दक्ष श्रमिकों की मांग में मजबूती का फायदा साफ नजर आया। विदेशों में मांग की यही स्थितियां पाकिस्तान की भी मदद कर सकती थीं लेकिन आतंरिक उथल-पुथल और आर्थिक कठिनाइयों के कारण वहां विदेश से पैसे की आवक 12 फीसदी घट गई। 2022 में पाकिस्तान को 30 अरब डॉलर मिले थे जिसमें इस बार 3 अरब की गिरावट दर्ज की गई।

विश्व बैंक के अनुसार, भारत को संयुक्त अरब अमीरात के साथ फरवरी, 2023 में हुए समझौते का फायदा मिला जहां से उसे इसे बार 18 फीसदी राशि हासिल हुई है। यूएई इस मामले में अमेरिका के बाद दूसरे नंबर पर है। इसके बाद सउदी अरब, कुवैत, ओमान और कतर का नंबर है जहां से भारत को 11 फीसदी पैसा हासिल हुआ। विश्व बैंक ने अनुमान लगाया है कि 2024 में भारत को विदेशों से हासिल होने वाला पैसा 3.7 फीसदी की वृद्धि के साथ 124 अरब डॉलर रह सकता है।

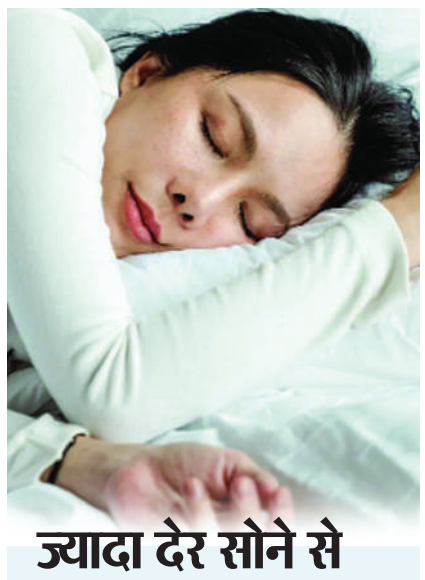

ज्यादा देर सोने से घेर सकती हैं मोटापे से लेकर शुगर जैसी बड़ी परेशानियां

छुट्टी के दिन देर तक सोने का मन ज्यादातर हर व्यक्ति का करता है। लेकिन समस्या तब हो जाती है जब ऐसा करना आपकी आदत में शामिल हो जाए और धीरे-धीरे आपको स्वास्थ्य समस्याएं परेशान करने लगे। जी हां ज्यादा देर सोने से आपको मोटापे से लेकर शुगर जैसी बड़ी परेशानियां घेर सकती हैं। आइए जानते हैं ज्यादा देर सोने से होते हैं कौन से बड़े नुकसान।

डायबिटीज

ज्यादा देर सोने से व्यक्ति की फिजिकल एक्टिविटी ना के बराबर हो जाती है और उसका शुगर लेवल बढ़ने का खतरा बढ़ जाता है। जर्नल पीएलओएस में छपी एक स्टडी के मुताबिक 9 घंटे से ज्यादा नींद लेने से व्यक्ति के शरीर में शुगर का खतरा बढ़ जाता है।

दिल के रोग

अमेरिकन एकेडमी ऑफ स्लीप मेडिसिन में छपी स्टडी की मानें तो अधिक नींद लेने से दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इस स्टडी के मुताबिक जो महिलाएं 9 से 11 घंटे की नींद लेती हैं उनमें दिल के रोग होने की संभावना 38 प्रतिशत तक बढ़ जाती है।

डिप्रेशन की संभावना

आपको जानकर हैरानी होगी कि जरूरत से ज्यादा सोना भी डिप्रेशन का कारण बन सकता है। हाल ही में पीएलओएस में छपी एक स्टडी के मुताबिक ज्यादा सोना डिप्रेशन का कारण बन सकता है। इतना ही नहीं अधिक देर सोने से व्यक्ति के भीतर सुस्ती बनी रहती है और उसका मन रोजाना के काम में भी नहीं लगता है।

मोटापा

ज्यादा देर सोने की वजह से फिजिकल एक्टिविटी न के बराबर हो जाती है। व्यक्ति अधिकतर समय अपना खाकर, बैठकर या फिर सोकर गुजार देता है। जो आगे चलकर वजन और मोटापा बढ़ने का कारण बनता है। इतना ही नहीं इसकी वजह से पाचन क्रिया धीमी होने लगती है और व्यक्ति को कब्ज की समस्या भी परेशान करने लगती है।

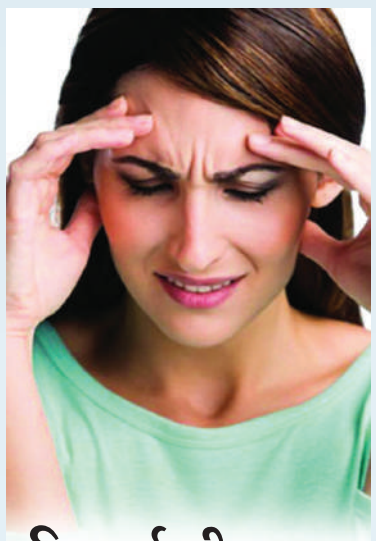

सिर दर्द की समस्या से छुटकारा पाने के लिए शरीर को डिहाइड्रेट होने से बचाएं

अक्सर सिरदर्द की समस्या से कई लोग झूझते रहते है। ज्यादातर काम-काज का प्रेशर रहने से सिरदर्द जैसी परेशानी होती है तनाव, पर्याप्त नींद नहीं लेना, ज्यादा शोर, फोन पर ज्यादा देर बात करना, ज्यादा सोचना, थकावट, सिर में रक्तप्रवाह कम होना जैसे कई कारणों से अक्सर हम सिरदर्द जैसी परेशानी से झूझते है।
नियमित दो बार 10-20 मिनट ध्यान करने से शरीर व मन दोनों को आराम मिलता है। सिर में रक्तप्रवाह बढ़ता है। जिसके कारण आप सिरदर्द की परेशानी में राहत मिलती है। सिर दर्द की समस्या से छुटकारा पाने के लिए बेहतर होगा की आप शरीर को डिहाइड्रेट होने से बचाए जिससे बचने के लिए अच्छा होगा की आप पर्याप्त मात्रा में पानी पिए जिससे आप खुद को सिरदर्द की परेशानी से बचा सकते है। मसल्स और शरीर में खिंचाव रहने से भी सिर दर्द होता है ऐसे में बेहतर होगा की आप थोड़े-थोड़े अंतराल पर स्ट्रेचिंग करें ऐसा करना बेहतर होगा। इन उपायों को करके आप सिरदर्द की परेशानी में राहत पा सकते है। सिरदर्द की परेशानी से तुरंत राहत पाने के लिए योग कारागार उपाय है। शरीर में ऑक्सीजन की कमी से भी आप सिरदर्द जैसी समस्या में आराम पा सकते है।

किस तरह के बर्तन में भोजन करते हैं आप, सेहतमंद रहने के लिए जानना बेहद जरूरी

भारत में हमेशा से ही जितना भोजन पर ध्यान दिया जाता है, उससे कहीं ज्यादा आप किस बर्तन में भोजन कर रहे हैं, इस पर ध्यान दिया जाता है। आज के समय में लोग ज्यादातर प्लास्टिक की डिजाइनर प्लेटों में ही भोजन करना पसंद करते हैं। यही नहीं, रेस्टोरेंट में भी देखा गया है कि स्टील की थाली और कटोरी कम ही उपयोग में लाई जाती हो। लेकिन यह सेहत के लिए कतई अच्छी नहीं है। बहुत कम लोग इस बात की जानकारी रखते हैं कि हर तरह के बर्तन के अपने ही गुण और अवगुण होते हैं। शायद आपने सुना भी होगा कि तांबे के गिलास में पानी पीना बहुत ज्यादा फायदेमंद होता है। लेकिन इनमें अगर प्लास्टिक के बर्तनों की बात करें, तो इनमें कोई गुण नहीं होता। बल्कि यह आपको हृदय रोग, डायबिटीज और कैंसर जैसी बीमारियों से संक्रमित कर सकती हैं। ऐसे में आपके लिए यह जानना बेहद जरूर है कि सेहतमंद रहने के लिए आपको किस चीज के बने हुए बर्तन में भोजन करना चाहिए। भारत के गरीब और मध्यवर्गीय घरों में सबसे ज्यादा स्टील के बर्तनों का ही उपयोग किया जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि यह बर्तन लंबे समय तक चलते हैं। जबकि बहुत कम लोग जानते हैं कि स्टील तेल और एसिड और ग्रीस पर रिएक्ट नहीं करता। यही नहीं स्टील के बर्तनों में आयरन मौजूद होता है जो आपके शरीर में रेड ब्लड सेल्स का निर्माण करने के लिए जाना जाता है। ऐसे में अगर किसी को एनीमिया की शिकायत है तो उसे स्टील की प्लेट में भोजन करने से लाभ हो सकता है। इसके अलावा स्टील के बर्तनों को रिसाइकिल करना भी बेहद आसान होता है। कुल मिलाकर स्टील एक टिकाऊ और स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद बर्तन है जिसका उपयोग भोजन करने के लिए किया जा सकता है।

सिरेमिक के बर्तन होते हैं केमिकल फ्री

आज के समय में सिरेमिक के बर्तन सबसे ज्यादा चलन में हैं। यह बर्तन चीनी मिट्टी के नाम से भी जाने जाते हैं। चीनी मिट्टी के बर्तनों को तैयार करने के लिए, मिट्टी को अधिक तापमान पर गर्म किया जाता है। बहुत से लोगों ने सिरेमिक के बर्तनों के अंदर भोजन पकाना भी शुरू कर दिया है। आप भी इन बर्तनों का उपयोग कर सकते हैं। यह आपके भोजन को लंबे समय तक स्वस्थ रखते हैं क्योंकि इनमें किसी तरह का कोई भी रसायन मौजूद नहीं होता।

आयुर्वेद देता है चांदी में भोजन करने की सलाह

चांदी का उपयोग यूं तो लोग आमतौर पर गहनो के तौर पर करते हैं। लेकिन आयुर्वेद लंबे समय से चांदी के बर्तनों में भोजन करने की पैरवी करता आ रहा है। आयुर्वेद के मुताबिक चांदी के बर्तनों में ऐसे गुण होते हैं, जो आपको बदलते मौसम के साथ होने वाली बीमारियों से बचाता है। कुल मिलाकर अगर आप चांदी के बर्तन में भोजन करते हैं या पानी पीते हैं, तो यह आपको पूरी तरह स्वस्थ रखता है।

क्या आप अपने घर में प्लास्टिक के प्लेट या बर्तनों में भोजन करते हैं, अगर हां तो जल्दी ही आप डायबिटीज और हृदय रोगों का शिकार हो जाएंगे। यकीन नहीं आता है तो यहां पढ़ें कैसे घर के बर्तन आपको इन बीमारियों का शिकार बना सकते हैं।

चांदी के बर्तन में खाना खाने के फायदे

- चांदी के बर्तनों में अर्क होता है जो आपके मस्तिष्क की शक्ति में बढ़ोतरी करता है।
- अगर नन्हे शिशुओं को चांदी के बर्तन में दूध पिलाया जाए तो अधिक स्वस्थ रहते हैं।
- चांदी के गिलास में पानी पीना भी बहुत फायदेमंद माना जाता है। दरअसल चांदी के अंदर ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो पानी के अंदर मौजूद किसी भी तरह की अशुद्धियों से लड़ने का कार्य करते हैं।

मेटाबॉलिज्म तेज करता है तांबे का बर्तन

तांबे के बर्तनों का उपयोग पहले के समय में बहुत अधिक किया जाता था। बताया जाता है कि तांबे का संबंध सूर्य और आग से होता है। तांबे की थाली में भोजन करने से अग्नि में वृद्धि होती है। जिसके कारण आपका मेटाबॉलिज्म तेज होता है इसके अलावा भी तांबे की थाली या बर्तन में भोजन करने के कई फायदे हैं जो कुछ इस प्रकार हैं।

तांबे के बर्तन में खाने के फायदे

- वजन घटाने में
- बॉडी को डिटॉक्सिफाई करने में
- हीमोग्लोबिन बढ़ाने में
- पाचन शक्ति बढ़ाने में
- हृदय रोग से बचाने में
- ब्लड प्रेशर को संतुलित करें
- स्किन को बेहतर करें और बढ़ती उम्र के असर को कम करें
- जोड़ों के दर्द और मस्कुलर दर्द से राहत

याददाश्त तेज करता है सोने का बर्तन

सोने का उपयोग आज भारतीय महिलाएं गहनों के तौर पर ही करती हैं। लेकिन एक समय ऐसा भी था जब लोग सोने के बर्तनों में ही खाना खाया करते थे। वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं जो आज भी सोने के बर्तनों में ही भोजन करना पसंद करते हैं। आपको बता दें कि सोने के बर्तन में भोजन करने से आपकी याददाश्त तेज होती है। ऐसे में सोने के बर्तन का उपयोग अल्जाइमर की बीमारी में भी फायदेमंद होता है। यही नहीं आयुर्वेद के अनुसार सोने के बर्तनों में भोजन करने से वात पित्त और कफ दोषों को भी संतुलित किया जा सकता है।

स्वास्थ्य और पर्यावरणीय कारणों से अधिक लोकप्रिय हो रहे हैं पौधों पर आधारित आहार

पौधों पर आधारित आहार स्वास्थ्य और पर्यावरणीय कारणों से अधिक लोकप्रिय हो रहे हैं, क्योंकि इनमें पशु कल्याण शामिल है। जो लोग इस आहार का पालन करते हैं, वे अक्सर पर्याप्त प्रोटीन प्राप्त करने की चिंता करते हैं, खासकर क्योंकि कई प्रकार के मांस और डेयरी उत्पाद हैं जो प्रोटीन में उच्च होते हैं। दाल, बादाम, और बाजरा सभी पौधों के प्रोटीन में उच्च होते हैं और स्वस्थ, संतुलित आहार के हिस्से के रूप में नियमित रूप से खाए जा सकते हैं। उदाहरण के लिए, बादाम न केवल पोषण में उच्च होते हैं, बल्कि विभिन्न प्रकार के व्यंजनों में एक अनूठी बनावट भी जोड़ते हैं, चाहे वह मीठा हो या नमकीन। वे पौधे आधारित प्रोटीन का एक बड़ा स्रोत हैं और बादाम दूध, बादाम का आटा, कच्चा, भुना हुआ, हल्का नमकीन, आदि सहित विभिन्न तरीकों से खाया जा सकता है।

यह एक मिथक है कि पौधे आधारित आहार में पर्याप्त प्रोटीन नहीं होता है। दिलचस्प बात यह है कि मैंने सुना है कि 100 ग्राम बादाम में लगभग 21 ग्राम प्रोटीन होता है। और विटामिन ई, मैग्नीशियम, प्रोटीन, राइबोफ्लेविन और जिंक जैसे 15 से अधिक पोषक तत्वों से भी भरपूर हैं। मैं लंबे समय में विश्वास करता हूं, संतुलित आहार खाना अच्छे स्वास्थ्य की कुंजी है और मैं हमेशा स्वस्थ पौधे-आधारित प्रोटीन शामिल करता हूं जैसे कि बादाम, छोले और टोफू को अपने भोजन में अधिक पौष्टिक और स्वस्थ बनाने के लिए।
न्यूट्रिशन एंड वेलनेस कंसल्टेंट शीला कृष्णा ने कहा, प्रोटीन ऊतकों, मांसपेशियों, हार्मोन और एंजाइम के निर्माण के लिए और शरीर में कोशिकाओं और ऊतकों की मरम्मत के लिए भी आवश्यक है। एक बार पौधे आधारित आहार का पालन करने का निर्णय लेने के बाद अपने आहार की सावधानीपूर्वक योजना बनाना महत्वपूर्ण है। फिटनेस एक्सपर्ट और सेलिब्रिटी मास्टर इंस्ट्रक्टर, यास्मीन ने खाने के पैटर्न और पौधों पर आधारित जीवन शैली में बदलाव पर जोर देते हुए कहा, एक फिटनेस प्रशिक्षक के रूप में, मेरे पास लोग लगातार मुझसे एक आहार या किसी अन्य पर पूछताछ कर रहे हैं। रुझान आते हैं और जाते हैं, कुंजी संतुलित भोजन खाने और नियमित कसरत दिनचर्या का पालन करने के लिए है।

हाई कोलेस्ट्रॉल की शिकायत अनुवांशिक कारको के वजह से भी हो सकती है। लेकिन यह अक्सर अस्वास्थ्यकर जीवनशैली का परिणाम होता है। कोलेस्ट्रॉल का उच्च स्तर आपके हृदय रोग के जोखिम को बढ़ा सकता है। दवाईंयों बजाय आप इसे कुछ प्राकृतिक चीजों की मदद से भी ठीक कर सकते हैं।

क्या होता है कोलेस्ट्रॉल

कोलेस्ट्रॉल आपके रक्त में पाया जाने वाला एक मोम जैसा पदार्थ है। स्वस्थ कोशिकाओं के निर्माण के लिए आपके शरीर को कोलेस्ट्रॉल की आवश्यकता होती है, लेकिन कोलेस्ट्रॉल का उच्च स्तर आपके हृदय रोग के जोखिम को बढ़ा सकता है।

कैसे पता करें बढ़ रहा है कोलेस्ट्रॉल

रक्त में कोलेस्ट्रॉल के उच्च स्तर के कोई स्पष्ट लक्षण नहीं होते हैं। लेकिन यह उन स्थितियों के लिए आपके जोखिम को बढ़ा सकता है जिनमें लक्षण होते हैं, जैसे- एनजाइना (हृदय रोग के कारण सीने में दर्द), उच्च रक्तचाप, स्ट्रोक आदि।

कोलेस्ट्रॉल में हरा धनिया है फायदेमंद

एक स्टडी के अनुसार, कुछ जानवरों और टेस्ट-ट्यूब अध्ययनों से पता चलता है कि धनिया हृदय रोग के जोखिम वाले कारकों को कम कर सकता है, जैसे उच्च रक्तचाप और एलडीएल (खराब) कोलेस्ट्रॉल का स्तर। एक्सपर्ट बताते हैं कि अन्य मसालों के साथ बड़ी मात्रा में धनिया का सेवन करने वाली आबादी में हृदय रोग की दर कम होती है।

हरे धनिया के औषधीय गुण

इसमें एंटी-माइक्रोबियल व एंटीऑक्सीडेंट समेत एंटी इंफ्लेमेटरी (सूजन कम करने वाला), एंटी-डिस्लिपिडेमिक (रक्त में लिपिड्स कम करने वाला), एंटी-हाइपरटेंसिव (रक्तचाप कम करने वाला), न्यूरोप्रोटेक्टिव (तंत्रिका को सुरक्षा देने वाला) और मूत्रवर्धक जैसे गुण होते हैं। साथ ही, यह मधुमेह, मिर्गी, चिंता और अवसाद दूर करने और शरीर से टॉक्सिक पदार्थों की सफाई करने का काम भी करते हैं।

कैसे करें धनिया का सेवन

एक अध्ययन के दौरान चूहों को धनिये के बीज दिए गए जिसे खाने के बाद। खून में जमा एलडीएल (खराब) कोलेस्ट्रॉल में कमी और एचडीएल (अच्छे) कोलेस्ट्रॉल में वृद्धि हुई को देखा गया। ऐसे में कहा जा सकता है कि धनिया को अपने खाने में शामिल करने से आप कोलेस्ट्रॉल की समस्या का समाधान कर सकते हैं। लोग अक्सर धनिया के पत्तों का सेवन शरबत, चटनी, सलाद के रूप में करते हैं। वहीं, इसके बीजों को भी आप पानी में फूलाकर और छानकर पी सकते हैं।

धनिया का सेवन करते समय रखें इस बात का ध्यान

धनिया को नियमित पर थोड़े मात्रा में खाएं। एक स्टडी के अनुसार ज्यादा धनिया खाने से स्वास्थ पर बुरा प्रभाव पड़ता है। यह लीवर, एलर्जी, दाने, खुजली से लेकर त्वचा कैंसर तक का खतरा बढ़ा सकती है। इसेक अलावा धनिया ब्लड प्रेशर को कम करने का काम करती है जिससे निम्न ब्लड प्रेशर को लोगों को परेशानी हो सकती है।

सूर्यकुमार को अपदस्थ कर

टी 20 के नंबर एक बल्लेबाज बने ट्रेविस हेड

दुबई, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के बेहतरान बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने मौजूदा टी 20 विश्व कप में अपनी शानदार फॉर्म के चलते भारत के सूर्यकुमार यादव को अपदस्थ कर आईसीसी टी 20 रैंकिंग में नंबर एक बल्लेबाज का ताज हासिल कर लिया है।

हेड ने भारत के खिलाफ सुपर आठ के मैच में 76 रन की शानदार पारी खेली और टॉप पर पहुंच गए। सूर्या ने दिसम्बर 2023 से नंबर एक स्थान संभाल रखा था।

इस दौरान उन्होंने कई मैच विजयी पारियां खेलीं और लगातार रन बनाये। लेकिन विश्व कप में हेड की शानदार फॉर्म ने सूर्या को पछाड़ दिया। हेड ने चार स्थान की छलांग लगाते हुए सूर्या, फिल साल्ट, बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को एक-एक स्थान पीछे छोड़ दिया। वेस्ट इंडीज के जॉनसन चार्ल्स ने चार स्थान की छलांग के साथ टॉप टेन में जगह बनायी है जबकि अफगानिस्तान के रहमानुल्लाह गुरबाज पांच स्थान के सुधार के साथ 11 वें स्थान पर पहुंच गए हैं। आलराउंडर रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया के मार्कस स्टॉयनिस ने अपना शीर्ष स्थान गंवा दिया है और चौथे स्थान पर फिसल गए हैं।

भारत के हार्दिक पांड्या तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं, अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी दूसरे स्थान पर और श्रीलंका के वानिंदु हसारंगा फिर से नंबर 1 स्थान पर पहुंच गए हैं। वेस्टइंडीज के रोस्टन चेज़ 17 स्थान की छलांग लगाकर 12वें स्थान पर पहुंच कर हरफनमौला खिलाड़ियों में एक उल्लेखनीय खिलाड़ी के रूप में उभरे।

गेंदबाजी रैंकिंग में, इंग्लैंड के आदिल रशीद शीर्ष स्थान पर बरकरार हैं, लेकिन अफगानिस्तान के राशिद खान विश्व कप में अपनी वीरता के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

अफगानिस्तान का सफर सेमीफाइनल में खत्म

पहली बार विश्व कप फाइनल में द. अफ्रीका

पोर्ट ऑफ स्पेन (त्रिनिदाद), एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका ने गुरुवार को ब्रायन लारा स्टेडियम में अफगानिस्तान को 9 विकेट से हराकर टूर्नामेंट के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। यह पहली बार है जब द.अफ्रीका की टीम टी20 विश्व कप के फाइनल में पहुंची है। टी20 विश्व कप 2024 की पहली फाइनलिस्ट दक्षिण अफ्रीका की टीम है। गुरुवार को खेले गए पहले सेमीफाइनल मैच में अफ्रीकी टीम ने एकतरफा मुकाबले में अफगानिस्तान को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

यह एकतरफा सेमीफाइनल रहा, जिसमें दक्षिण अफ्रीका ने अफगानिस्तान को गेंदबाजी, बल्लेबाजी और फील्डिंग, हर विभाग में मात दी। दक्षिण अफ्रीका की यह जीत ऐतिहासिक है। इस जीत के साथ ही इस टीम ने पहली बार किसी विश्व कप फाइनल में एंट्री की है। ऐसा नहीं है कि दिग्गजों से शुमार ये टीम कभी नॉकआउट चरण तक नहीं पहुंची। अफ्रीका की टीम 5 बार वनडे और 2 बार टी-20 विश्व कप के सेमीफाइनल से बाहर हो चुकी है। इसलिए उसके नाम के आगे चोकर्स का दाग लग गया था, जिसे अब ये टीम मिटा चुकी है। टॉस जीतकर अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। अफगानिस्तान मात्र 11.5 ओवर में 10 विकेट पर 56 रन पर सिमट गई। यह पहली बार है जब किसी टीम ने पुरुष टी-20 विश्व कप सेमीफाइनल में अपने प्रतिद्वंद्वी को 100 रन से कम पर आउट कर दिया है। इस मुकाबले के हीरो रहे मार्को जेनसन और तबरेज़ शम्सी, जिन्होंने तीन-तीन विकेट लिए। वहीं, कागिसो रबाडा (2-14) और एनरिक नॉर्टजे (2-7) ने भी आक्रामक रवैया अपनाते हुए अफगानिस्तान की टीम को 11.5 ओवर में 56 रन के मामूली स्कोर पर समेट दिया।

जवाब में अफ्रीकी टीम ने महज 1 विकेट खोकर यह लक्ष्य 8.5 ओवर में हासिल कर लिया।

लुइस किम्बर ने रॉबिन्सन को एक ओवर में रिकॉर्ड 43 रन ठोके

चेम्सफोर्ड, एजेंसी। लीसेस्टरशायर के लुइस किम्बर ने बुधवार को काउंटी चैंपियनशिप मैच में ससेक्स के ओली रॉबिन्सन के ओवर में 43 रन ठोककर प्रथम श्रेणी क्रिकेट में एक ओवर में सर्वाधिक रन बनाकर क्रिकेट इतिहास रच दिया। डिवीजन टू काउंटी चैम्पियनशिप मैच के चौथे और अंतिम दिन, ससेक्स के रॉबिन्सन ने किम्बर को काउंटी चैम्पियनशिप के इतिहास का सबसे महंगा ओवर दिया। इस ओवर में किम्बर ने 43 रन बनाए, जो इंग्लिश प्रथम श्रेणी क्रिकेट में एक ओवर में सर्वाधिक रन बनाने का नया रिकॉर्ड है। रॉबिन्सन ने वास्तव में नौ गेंदें फेंकी, जिनमें से तीन नो-बॉल थीं। ऐसा माना जाता है कि किम्बर की उपलब्धि प्रथम श्रेणी क्रिकेट में एक ओवर में बनाए गए सबसे अधिक रन हैं। यह 38 रनों के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ देता है, जो 1998 में एलेक्स ट्यूडर और एंड्रयू फ्लिंटॉफ द्वारा संयुक्त रूप से और इस सप्ताह के शुरू में शोएब बशीर की गेंद पर डैन लॉरेंस द्वारा बनाया गया था। लंच के समय तक किम्बर की आश्चर्यजनक पारी केवल 95 गेंदों पर 192 रन तक पहुंच गई, जो बेन कॉक्स के साथ आठवें विकेट के लिए 200 रनों की साझेदारी का हिस्सा थी। लीसेस्टरशायर सुबह के सत्र में 29 ओवरों में 236 रन बनाने में सफल रहा। किम्बर 127 गेंदों में 20 चौकों और 21 छक्कों की मदद से 243 रन बनाकर आखिरी बल्लेबाज के रूप में आउट हुए और ससेक्स ने यह मैच 18 रन से जीत लिया। लीसेस्टरशायर की पारी 464 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 445 रन पर सिमट गई।

पेरिस ओलंपिक

पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल करने के बाद जूडोका तूलिका मान की नजरें पदक पर

नईदिल्ली, एजेंसी। ओलंपिक में हिस्सा लेने जा रही भारत की नौवीं महिला जूडो खिलाड़ी तूलिका ने कहा, यह यात्रा रोमांचक रही है। मेरे कोच (यशपाल सोलंकी) ने कार्यक्रमों का एक कैलेंडर तैयार किया था लेकिन ओलंपिक उसमें शामिल नहीं था। तूलिका मान ओलंपिक में जगह बनाने को लेकर सुनिश्चित नहीं थी लेकिन अब पेरिस खेलों के लिए क्वालीफाई करने के बाद इस भारतीय जूडो खिलाड़ी को पदक जीतने की उम्मीद है और उन्होंने कम से कम कांस्य पदक के प्ले ऑफ में जगह बनाने को लक्ष्य बनाया है।

राष्ट्रमंडल खेलों की रजत पदक विजेता 25 साल की तूलिका ने मंगलवार को 78 किग्रा से अधिक वर्ग में पेरिस ओलंपिक के लिए महाद्वीपीय कोटा हासिल किया। तूलिका ने साइ मीडिया से कहा, जूडो हमेशा से ही हैरान करने वाली चीजों से भरा रहा है और कोई नहीं जानता कि कब क्या हो जाए। इसलिए कोई नहीं जानता कि उस दिन क्या होगा। देखिए कैसे मैंने पेरिस ओलंपिक में जगह बनाई। उन्होंने कहा, लेकिन अपनी ट्रेनिंग को देखते हुए मुझे उम्मीद है कि अगर मैं फाइनल में जगह नहीं भी बना पाई तो कम से कम कांस्य पदक के मुकाबले में पहुंचूंगी।

हम स्वर्ण पदक के लिए ट्रेनिंग कर रहे हैं। क्वालिफाइंग चक्र 22 जून 2022 से 23 जून 2024 था और 2022 में चोट लगने के बाद तूलिका ओलंपिक में क्वालीफाई करने को लेकर आश्वस्त नहीं थी। हालांकि, पिछले महीने अबु धाबी में विश्व चैंपियनशिप के राउंड ऑफ 32 मुकाबले में कनाडा की पोर्तुओंदो इसासी के खिलाफ जीत ने उनकी ओलंपिक रैंकिंग में सुधार किया।

ओलंपिक में हिस्सा लेने जा रही भारत की नौवीं महिला जूडो खिलाड़ी तूलिका ने कहा, यह यात्रा रोमांचक रही है। मेरे कोच (यशपाल सोलंकी) ने कार्यक्रमों का एक कैलेंडर तैयार किया था लेकिन ओलंपिक उसमें शामिल नहीं था। हालांकि, पिछले साल हांगझोउ में एशियाई खेलों में पांचवें स्थान पर रहने और इस साल अप्रैल में हांगकांग में एशियाई चैंपियनशिप ने उन्हें महत्वपूर्ण अंक हासिल करने में मदद की। दिल्ली की यह लड़की 1345 अंकों के साथ 36वें स्थान पर रही। उन्होंने कहा, मैंने एशियाई खेल और एशियाई चैंपियनशिप दोनों में तीन-तीन मुकाबले जीते।

हांगकांग में मुझे सबसे पहले लगा कि मैं कर (क्वालीफाई) सकती हूं। विश्व चैंपियनशिप में जीत से मदद मिली। तूलिका का मानना है कि चीन की सू शिन खेलों के दौरान उनकी सबसे कड़ी प्रतिद्वंद्वी साबित हो सकती हैं। उन्होंने कहा, वह मेरी सबसे बड़ी प्रतिस्पर्धी होंगी क्योंकि 2022 एशियाई चैंपियनशिप में उनके साथ मुकाबले के दौरान मैं चोटिल हो गई थी। मुझे लगता है कि वह मेरी अब तक की सबसे कड़ी प्रतिद्वंद्वी थी। फ्रांस की रोमेन डिको भी एक अच्छी प्रतिद्वंद्वी हैं। वह चीनी की खिलाड़ी की तरह भारी नहीं हैं लेकिन तेज और शक्तिशाली है।

कांस्य को स्वर्ण पदक में बदलने का लक्ष्य, पेरिस ओलंपिक के लिए 16 सदस्यीय भारतीय हॉकी टीम घोषित

नई दिल्ली, एजेंसी। टोक्यो ओलंपिक 2020 में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम को गत चैम्पियन बेल्जियम, आस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड और आयरलैंड के साथ पूल बी में रखा गया है। हॉकी इंडिया ने अगले महीने होने वाले पेरिस ओलंपिक के लिए बुधवार को 16 सदस्यीय टीम की घोषणा की जिसमें हरमनप्रीत सिंह को कप्तान और हार्दिक सिंह को उप कप्तान बनाया गया। भारतीय टीम में पांच खिलाड़ी ओलंपिक में पदार्पण करेंगे, इनके अलावा टीम में पिछले चरण में हिस्सा ले चुके कुछ सीनियर खिलाड़ी भी शामिल हैं।

टोक्यो ओलंपिक 2020 में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम को गत चैम्पियन बेल्जियम, आस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड और आयरलैंड के साथ पूल बी में रखा गया है। पूल अंक तालिका में शीर्ष चार में रहने वाली टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचेगी। भारतीय खिलाड़ी इस समय बेंगलुरु के साई केंद्र में राष्ट्रीय शिविर में ओलंपिक की तैयारी में व्यस्त हैं।

अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश और मिडफील्डर मनप्रीत सिंह चौथी बार ओलंपिक में भाग लेंगे जबकि कप्तान हरमनप्रीत का यह तीसरा ओलंपिक होगा। वहीं, पांच खिलाड़ी भारत के लिए ओलंपिक में पदार्पण करेंगे जिसमें जरमनप्रीत सिंह, संजय, राज कुमार पाल, अभिषेक और सुखजीत सिंह शामिल हैं। टोक्यो में 41 साल के अंतराल बाद पदक जीतने के ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद भारतीय डिफेंडर रूपिंदरपाल सिंह और बीरेंद्र लाकड़ा संन्यास ले चुके हैं जबकि सुरेंदर कुमार टीम से बाहर हैं। टोक्यो में मुख्य टीम का हिस्सा रहे नीलकांत शर्मा को वैकल्पिक खिलाड़ियों में रखा गया है और दिलप्रीत सिंह को मौका नहीं मिला।

जयवर्धने के बाद श्रीलंका के मुख्य कोच ने भी दिया इस्तीफा

नई दिल्ली , एजेंसी। सिल्वरवुड के कार्यकाल में, श्रीलंका ने महत्वपूर्ण जीत हासिल की, जिसमें 2022 का एशिया कप, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज और बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरी शामिल है। टीम 2023 के एशिया कप के फाइनल में भी पहुंची थी। टी20 विश्व कप 2024 में अपने खराब प्रदर्शन के चलते टूर्नामेंट से बाहर हुई श्रीलंका की टीम को तगड़ा झटका लगा है। टीम के सलाहकार पद से हाल ही में पूर्व दिग्गज क्रिकेटर महेला जयवर्धने ने इस्तीफा दिया था। अब टीम के श्रीलंकाई टीम के मुख्य कोच क्रिस सिल्वरवुड ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इसकी जानकारी श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड (एसएलसी) की तरफ से जारी किए गए बयान में दी गई।

सिल्वरवुड ने मुख्य कोच पद से दिया इस्तीफा

श्रीलंका के नेशनल क्रिकेट टीम को बड़ा झटका लगा है। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज क्रिस सिल्वरवुड ने श्रीलंका के हेड कोच के पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपने इस्तीफे के पीछे निजी कारणों का हवाला दिया है। सिल्वरवुड को अप्रैल 2022 में श्रीलंका क्रिकेट टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था।

दीवाली पर कार्तिक के सामने होंगी कई मुश्किलें

कार्तिक आर्यन एक से बढ़कर एक फिल्में देने के बाद निर्देशकों की पहली पसंद बने हुए हैं। हाल ही में उनकी 'चंदू चैंपियन' रिलीज हुई, जिसे गजब का रिस्पॉन्स मिल रहा है। कार्तिक आर्यन के अभिनय की काफी तारीफ हुई है। खैर, इस फिल्म के अलावा उनके खाते में कई बड़ी फिल्में हैं। इस वक्त वो जिस फिल्म की शूटिंग में बिजी हैं, वो है- 'भूल भुलैया 3'। यह इस फ्रैंचाइजी का तीसरा इंस्टॉलमेंट है, जिसमें माधुरी दीक्षित, विद्या बालन और तृप्ति डिमरी नजर आने वाली हैं। इस बार पहले के दो पार्ट से बड़ा धमाका होने वाला है। कार्तिक आर्यन की फिल्म दिवाली पर रिलीज होने वाली है। हाल ही में अजय देवगन ने ऐलान किया था कि, उनकी 'सिंघम अगेन' भी दिवाली पर आने वाली है। दरअसल पहले फिल्म को 15 अगस्त को लाने का फैसला किया था। पर मेकर्स से इसकी डेट बदल दी। उनका कहना था कि अब तक पिक्चर का काम पूरा नहीं हुआ है, हालांकि, कार्तिक आर्यन की 'भूल भुलैया 3' के लिए मुश्किलें बढ़ने वाली हैं।

लंदन में 17 घंटे एयरपोर्ट पर फंसी रहीं अदिति

बॉलीवुड अभिनेत्री अदिति राव हैदरी सीरीज हीरामंडी- द डायमंड बाजार के लिए चर्चा में हैं। उन्होंने संजय लीला भंसाली की डेब्यू सीरीज में बिब्बो जान का किरदार निभाया है। इसके अलावा अदिति हाल ही में, सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की रिसेप्शन पार्टी में भी नजर आई थीं। अब हाल ही में अभिनेत्री लंदन पहुंची थीं और उनके साथ वहां कुछ ऐसा हो गया, जिसके बाद उन्हें अपने इस फैसले पर जरूर पछतावा हुआ होगा। अभिनेत्री अदिति राव हैदरी ने हीथ्रो एयरपोर्ट और ब्रिटिश एयरवेज के खिलाफ एक्स पर अपनी शिकायत लिखी। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि अभिनेत्री को और अन्य यात्रियों को उनके सामान के लिए घंटों इंतजार करना पड़ा। एयरलाइन द्वारा जल्द से जल्द समाधान का वादा करने के बावजूद अभिनेत्री को 17 घंटे बाद भी अपने लगेज के लिए इंतजार करना पड़ा। हीथ्रो एयरपोर्ट और ब्रिटिश एयरवेज को निशाने पर लेते हुए अदिति ने एक्स पर लिखा, मुंबई से फ्लाइट दोपहर 2:15 बजे लंदन में उतरी। अभी शाम के 6:02 बज रहे हैं। थके हुए यात्री, भूखे बच्चे, व्हीलचेयर पर बैठे लोग खाली लगेज बेल्ट पर इंतजार कर रहे हैं, उनके पास कोई जानकारी नहीं है और कोई जिम्मेदारी नहीं है, सिवाय क्यूआर कोड के, जो उस एयरपोर्ट के लिए दिए जा रहे हैं, जहां कथित तौर पर तकनीक क्रैश हो गई है!

प्रेग्नेंसी के 9वें महीने में ऋचा चड्ढा ने साइन की कॉमेडी फिल्म

एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा जल्द ही अपने पहले बच्चे का स्वागत करने वाली हैं। वह प्रेग्नेंसी के 9वें महीने को एन्जॉय कर रही हैं। लेकिन इन दिनों वह अपनी अगली कॉमेडी फिल्म साइन करने को लेकर सुर्खियों में हैं। इस पर काम अक्टूबर में शुरू होने वाला है। बताया जा रहा है कि कॉमेडी फिल्म की स्क्रिप्ट पहले से ही तैयार है, जिसे अमितोष नागपाल ने लिखा है। फिल्म नॉर्थ इंडिया पर सेट है। मैटरनिटी ब्रेक के दौरान काम करने को लेकर ऋचा ने कहा, मैं सभी महिलाओं की ओर से बात नहीं कर सकती। हर किसी का सफर अलग होता है। लेकिन मैं लंबे ब्रेक पर नहीं रहूंगी।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण होगा कम, साढ़े चार करोड़ पौधों से बढ़ेगा ग्रीन एरिया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में प्रदूषण की रोकथाम के लिए साढ़े चार करोड़ पौधे लगाए जाएंगे। केंद्रीय वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के मुताबिक, केवल दिल्ली में 56.40 लाख से ज्यादा पौधे लगाए जाएंगे, वहीं, उत्तर प्रदेश और हरियाणा के एनसीआर जिलों में लगाए जाने वाले पौधों की संख्या लगभग सवा तीन करोड़ है। आयोग के मुताबिक, खुले क्षेत्रों में हरियाली लाने से प्रदूषण की रोकथाम में मदद मिलेगी।

खासतौर पर सड़कों के किनारे और उसके बीच की जगह पर पेड़-पौधे लगाने का अच्छा प्रभाव पड़ता है। इसे देखते हुए आयोग ने एनसीआर क्षेत्र में पौधारोपण के लक्ष्य में इजाफा किया है। यूपी के एनसीआर जिलों में 1.97 करोड़ से ज्यादा पौधे लगाए जाएंगे। हरियाणा के एनसीआर जिलों में 1.32 करोड़ से ज्यादा और राजस्थान के एनसीआर जिलों में 42.68 लाख से ज्यादा पौधे लगाने का लक्ष्य है।

आयोग की ओर से पूरे एनसीआर क्षेत्र में पौधारोपण की नियमित निगरानी की जाएगी। पौधे लगाने के लक्ष्य में इजाफा एनसीआर क्षेत्र में पौधारोपण के लक्ष्य को लगातार बढ़ाया जाता रहा है। वर्ष 2021-22 में 28. लाख 81 हजार के लगभग पौधे लगाए गए थे। वर्ष 2022-23 में इसे बढ़ाकर तीन करोड़ 11 लाख कर दिया गया। जबकि, वर्ष 2023-24 में तीन करोड़ 60 लाख पौधे लगाए गए। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि राजधानी में बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई होने से लोगों को तपती गर्मी में झोंक दिया है। शीर्ष अदालत ने सख्त टिप्पणी करते हुए राजधानी में हरित आवरण बढ़ाने के लिए दिल्ली सरकार, डीडीए, नगर निगम सहित सभी स्थानीय निकायों को बैठक करने का आदेश दिया है।

बिहार से उपेंद्र कुशवाहा जा सकते हैं राज्यसभा !

नईदिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश और बिहार की राजनीति में जातीय समीकरण हमेशा से मायने रखते हैं। लोकसभा चुनाव 2024 के चुनाव नतीजों को देखें तो संविधान बदलने, आरक्षण पर संकट जैसी चर्चाओं ने विपक्ष को बल दिया तो वहीं भाजपा को करारा झटका लगा है। इसके अलावा जातीय समीकरण बदले तो नतीजा भी बदला दिखा है। खासतौर पर उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की अवध और पूर्वांचल के इलाकों में जीत के पीछे गैर-यादव ओबीसी नेताओं को बड़े पैमाने पर टिकट मिलना भी एक वजह है। इनमें कुर्मी, कोरी, कुशवाहा समाज के नेताओं को टिकट देकर अखिलेश यादव ने फायदा उठा लिया और यहीं पर भाजपा चूक कर गई। अब भाजपा इस कमी को दूर करने की कोशिश में है। एक तरफ यूपी में समाज के कुछ नेताओं को प्रमोट किया जा सकता है तो वहीं बिहार में भी मंथन का दौर चल रहा है। भाजपा सूत्रों का कहना है कि बिहार में अगले ही साल चुनाव हैं और उससे पहले कुशवाहा समाज को जोड़ने के लिए उपेंद्र कुशवाहा को राज्यसभा भेजा जा सकता है। उन्हें काराकाट लोकसभा से हार का सामना करना पड़ा था। वह कुशवाहा बिरादरी के बड़े नेताओं में से हैं। ऐसे में उन्हें राज्यसभा भेजकर भाजपा समाज को यह संदेश देना चाहेगी कि हम आपके साथ हैं। यही नहीं नीतीश कुमार की जेडीयू भी इसी कोशिश में है और उसने भगवान सिंह कुशवाहा को विधान परिषद भेजने का ऐलान किया है और वह 2 जुलाई को नामांकन दाखिल करेंगे। बिहार में राज्यसभा की दो सीटें खाली हैं और उनमें से एक उपेंद्र कुशवाहा को मिलेगी। वहीं पार्टी ने सम्राट चौधरी को डिप्टी सीएम और प्रदेश अध्यक्ष का पद दे ही रखा है, जो कुशवाहा समाज के ही हैं। राज्य में कुशवाहा बिरादरी की 4.2 फीसदी आबादी है। दिलचस्प बात यह है कि इस वर्ग पर आरजेडी की भी नजर है, जो अब तक यादव और मुस्लिम समीकरण पर ज्यादा फोकस करती थी। उसने लोकसभा में पहली बार के सांसद अभय कुशवाहा को अपना नेता चुना है। बीते 20 सालों से लव-कुश समीकरण नीतीश कुमार का आधार रहा है, लेकिन आरजेडी ने इस बार सेंध लगाई है।

आतिशी को अस्पताल से मिली छुट्टी

व्हीलचेयर पर बैठ निकलीं बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। लोक नायक अस्पताल में भर्ती दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी की तबीयत में सुधार आया है। उन्हें गुरुवार को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। आतिशी आज व्हीलचेयर पर बैठ अस्पताल से बाहर निकलती हुई दिखीं। दरअसल, अनशन के चलते उनकी सेहत काफी बिगड़ गई थी। उन्हें 25 जून को अस्पताल में भर्ती करना पड़ा था। दो दिनों बाद उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है।

व्हीलचेयर पर बैठ निकलीं बाहर

आतिशी के अस्पताल से डिस्चार्ज होने का एक वीडियो सामने आया है। वह व्हीलचेयर पर बैठ अपनी गाड़ी तक जाती हुई दिख रहीं हैं। एक महिला ने सहारा देकर आतिशी को वाहन में बैठाया। दरअसल, दिल्ली में पानी की किल्लत को लेकर आतिशी अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठी थीं। अचानक तबीयत बिगड़ने से उन्हें लोक नायक जयप्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल के आपातकालीन आईसीयू (सघन चिकित्सा इकाई) में भर्ती कराया गया था।

25 जून को करना पड़ा भर्ती

दरअसल, आतिशी का शुगर लेवल गिर गया था। पेशाब जांच में कीटोन की मौजूदगी का पता चला। इस पर उन्हें भर्ती होने की सलाह दी गई लेकिन आतिशी ने इनकार कर दिया था। अस्पताल के एक डॉक्टर ने बताया कि आधी रात को उनकी हालत बिगड़ने लगी और सुस्ती आने लगी, जिसके बाद उन्हें भर्ती कराया गया।

आतिशी ने अनशन 21 जून से शुरू किया था।

आप नेता संजय सिंह ने कहा कि आतिशी ने अस्पताल में भर्ती होने के बाद अपना अनिश्चितकालीन अनशन समाप्त कर दिया। उन्होंने आगे कहा कि करीब पांच दिनों तक अनशन पर रहने के बाद आतिशी की तबीयत बिगड़ गई और उन्हें तड़के करीब तीन बजकर 45 मिनट पर एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

अखिलेश यादव भी मिलने पहुंचे थे

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को दिल्ली की कैबिनेट मंत्री आतिशी से लोक नायक जयप्रकाश अस्पताल में मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। साथ ही उन्होंने कहा कि जब से भाजपा केंद्र की सत्ता में आई है, तब से मुख्यमंत्रियों की समस्याएं बढ़ गई हैं।

गुरुग्राम की पांच कॉलोनियों में चला बुलडोजर, सात मकान-चार दुकान जमींदोंज

नई दिल्ली, एजेंसी। गुरुग्राम में एक बार फिर बुलडोजर चलाया गया है। नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग ने बुधवार दोपहर को सोहना ब्लॉक के गांव घामडौज, भोंडसी और सहजावास गांव में अवैध रूप से पनप रही पांच कॉलोनियों पर बुलडोजर चलाया। ये कॉलोनियां करीब 13.5 एकड़ में विकसित हो रही थी। इसमें सात निर्माणाधीन मकान, चार दुकान के अलावा करीब 300 मीटर लंबी निर्मित सड़क को मलबे में मिलाया गया। अभियान की शुरुआत में ग्रामीणों ने विरोध किया, लेकिन पुलिस बल के आगे आने के बाद लोग पीछे हट गए। करीब चार घंटे तक तोड़फोड़ की कार्रवाई चली।

इस अभियान में ड्यूटी मैजिस्ट्रेट के रूप में एटीपी दिनेश सिंह मौजूद रहे। दोपहर एक बजे नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग के डीटीपीई मनीष यादव के नेतृत्व में एक तोड़फोड़ दस्ता गांव घामडौज में पहुंच गया। इस गांव में करीब दो एकड़ में अवैध रूप से कॉलोनी काटी जा रही थी। डीटीपीई का आदेश मिलने के बाद बुलडोजर से अवैध रूप से बन रहे एक मकान को तोड़ने की कार्रवाई शुरू हो गई।

नोएडा के घर खरीदारों के लिए गुडन्यूज, सुपरटेक प्रोजेक्ट में रजिस्ट्री का रास्ता साफ

नई दिल्ली, एजेंसी। नोएडा सेक्टर-17ए स्थित सुपरटेक अपकंट्री के 608 घर खरीदारों के लिए अच्छी खबर है। उनके प्लॉट और फ्लैट की रजिस्ट्री की राह आसान हो गई है। यमुना विकास प्राधिकरण के प्रयास से घर खरीदारों के लिए संयुक्त खाता खोला जाएगा। खरीदार इस खाते में लीज रेंट और किसानों का 64.7 प्रतिशत मुआवजा जमा कराकर रजिस्ट्री करा सकते हैं। बोर्ड बैठक में बुधवार को यमुना प्राधिकरण के इस प्रस्ताव पर मुहर भी लगा दी गई।

गलगोटिया विश्वविद्यालय के पास सेक्टर-17 में सुपरटेक ने अपकंट्री परियोजना को वर्ष 2011 में शुरू किया था। परियोजना पर यमुना प्राधिकरण का करीब 383 करोड़ रुपये बकाया हैं। बिल्डर पैसे नहीं दे रहा। इस वजह से लोगों के घर रजिस्ट्री का रास्ता भी साफ नहीं हो पा रहा था। खरीदार परियोजना में करीब 13 वर्षों से फंसे थे। प्राधिकरण ने खरीदारों को राहत दिलाने के लिए रजिस्ट्री का प्रस्ताव बोर्ड बैठक में रखा। बोर्ड ने 608 खरीदारों के फ्लैट और प्लॉट की रजिस्ट्री को मंजूरी दे दी है।

फैसला लिया गया कि सुपरटेक अपकंट्री हाउसिंग सोसाइटी के खरीदारों पर जितना पैसा बकाया है, उसको लेने के लिए प्राधिकरण और आवंटियों के बीच एक संयुक्त खाता खोला जाएगा, जिसमें घर खरीदार अपना बकाया पैसा जमा कर सकेंगे। पैसा जमा करने के बाद लोगों के घर की रजिस्ट्री के रास्ते खुल जाएंगे। पैसा जमा होने के 15 दिन बाद ही रजिस्ट्री शुरू हो जाएगी। यहां के घर खरीदारों को किसानों की 64.7 प्रतिशत मुआवजा और लीज रेंट के करीब 107 करोड़ रुपये चुकाने हैं। बताया जा रहा है कि सुपरटेक अपकंट्री से प्रभावित घर खरीदारों से बकाया रकम लेने के बाद किसानों के बैंक एकाउंट में मुआवजे का पैसा ट्रांसफर कर दिया जाएगा।

जेपी इंफ्राटेक के फ्लैटों के निर्माण में सितंबर से तेजी आएगी जेपी इंफ्राटेक के 20 हजार फ्लैटों के निर्माण में सितंबर से तेजी आएगी। इसके लिए यमुना विकास प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में किसानों को मुआवजे के रूप में 854 करोड़ रुपये वितरित करने का प्रस्ताव भी पास हो गया है। प्राधिकरण अपने स्तर से दिए जाने वाले 355 करोड़ रुपये का भुगतान एक ही बार में करेगा, जो कुल 1689 करोड़ रुपये का 21 प्रतिशत है। वहीं, सुरक्षा 490 करोड़ रुपये देगी।

निर्माण में देरी पर जुर्माना

यीडा क्षेत्र में विकास परियोजनाओं में देरी पर अब प्रतिवर्ष कुल लागत के सापेक्ष एक प्रतिशत की पेनल्टी लगेगी। दस वर्ष तक बिल्डर को मौका दिया जाएगा। इसके बाद प्लॉट निरस्त होगा। अभी निर्माण में देरी पर पहले वर्ष से ही 4 जुर्माने का प्रावधान था। बोर्ड बैठक में कुल 17 प्रस्तावों को हरी झंडी दी गई। बैठक में चेयरमैन अनिल सागर, सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह, एसीईटो कपिल सिंह समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

फिल्म सिटी के लिए अलग इंटरचेंज बनेगा

बोर्ड बैठक में फिल्म सिटी के लिए यमुना एक्सप्रेसवे पर जीरो प्वाइंट से 23 किलोमीटर पर इंटरचेंज बनाने का प्रस्ताव भी पास हो गया। यह 75 मीटर चौड़ा होगा, जिसके निर्माण में करीब 18 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसके अलावा ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे यानि केजीपी और यमुना एक्सप्रेसवे को जोड़ने के लिए इंटरचेंज और कार्गो हब को यमुना एक्सप्रेसवे से जोड़ने के लिए बनने वाली करीब 11 किलोमीटर लंबी सड़क के निर्माण की जिम्मेदारी एनएचएआई को दे दी गई है।

72 साल की बुजुर्ग के साथ स्कैम, साइबर ठगों ने भेजे फर्जी अरेस्ट वारंट

वेरिफिकेशन के नाम पर ठगे 83 लाख

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पॉश इलाके सीआर पार्क में रहने वाली 72 साल की बुजुर्ग महिला को साइबर ठगों ने डिजिटल अरेस्ट करके 83 लाख रुपए ठग लिए। पीड़िता की पहचान कृष्णा दासगुप्ता के तौर पर हुई है। बदमाशों ने न केवल उन्हें फर्जी अरेस्ट वारंट और नोटिस भेजे, बल्कि उन्हें एक वीडियो कॉल पर आने और एक कमरे में बंद रहने के लिए कहा। जहां बुजुर्ग को बताया गया कि उसे निगरानी में रखा गया है। इसके बाद उन्होंने उसे अपने बैंक ब्रांच में जाने और वेरिफिकेशन के लिए पैसे ट्रांसफर करने के लिए मजबूर किया।

फर्जी लीगल नोटिस भेजे

टीओआई की रिपोर्ट के अुसार, पीड़ित महिला ने बताया कि वह घबरा गई और किसी भी कानूनी दिक्कत से बचने के लिए निर्देशों का पालन करती गई। नकली पुलिसवालों ने बुजुर्ग को पूरे दिन इधर-उधर दौड़ाने के बाद आराम करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि वे उसे क्लीन चिट देने के लिए वापस आएंगे। जब वे वापस नहीं आए तब उसे एहसास हुआ कि उसके साथ धोखा हुआ है। साइबर ठगों ने 24 मई को सुबह करीब 9.30 बजे इस ड्रामे की शुरुआत की।

फर्जी केस बनाया

दासगुप्ता को भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण की नोटिफिकेशन यूनिट से एक प्री-रिकॉर्डेड मैसेज मिला। जिसमें उन्हें अश्लील सामग्री प्रसारित करने में उनके मोबाइल के हुए इस्तेमाल की वजह से नंबर ब्लॉक करने की धमकी दी गई। घबराई दासगुप्ता ने अपना नाम इससे हटाने के लिए उस नंबर पर वापस कॉल किया। दूसरी तरफ एक आदमी ने फोन उठाया और खुद को मुंबई पुलिस अधिकारी बताया। उसने दासगुप्ता के खिलाफ एक फर्जी केस

तैयार किया, जिसमें फर्जी एफआईआर नंबर और मुंबई कोर्ट में सीबीआई द्वारा जारी उनकी गिरफ्तारी का वारंट भी शामिल था। जालसाजों ने दासगुप्ता को दो घंटे के अंदर मुंबई की अदालत में पेश होने का आदेश दिया। उसे व्हाट्सएप पर एक नकली गिरफ्तारी अरेस्ट आदेश भी भेजा जिसपर स्टांप और साइन थे, जो बिलकुल असली जैसे लग रहे थे।

खुद को कमरे में बंद कर लें

ठगों के साथ वीडियो कॉल के दौरान, जिन्होंने अपना वीडियो बंद किया हुआ था, दासगुप्ता को निर्देश दिया गया कि वह अपना कैमरा ऑन रखें, खुद को एक कमरे में बंद कर लें और किसी को भी अंदर आने या बाहर जाने न दें। उन्हें परिवार के सदस्यों और पड़ोसियों के साथ सभी तरह के कम्युनिक्शन बंद करने के लिए भी कहा गया। दासगुप्ता ने कहा, आगे क्या होने वाला है, इस डर से, मैंने उनके आदेशों का पालन करना जारी रखा क्योंकि वे लगातार ऐसी बातें कह रहे थे। आप हमारी मां की तरह हैं, हम जानते हैं कि आपने कुछ भी गलत नहीं किया है, मुझे सीबीआई में अपने सीनियर्स से बात करने दें, और मुझे यकीन है कि कुछ न कुछ जरूर हो जाएगा। मैं बैकग्राउंड में कई आवाजें सुन रही थी जिसमें मेरे मनी लॉन्ड्रिक केस को लेकर बातें की जा रही थीं और वे मुझे इससे कैसे बाहर निकाल सकते थे।

मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने अपनी ही मंत्री को किया गिरफ्तार

माले, एजेंसी। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू बीते कुछ दिनों से खबरों में बने हुए हैं। राष्ट्रपति बनने के बाद मुइज्जू अपनी भारत विरोधी नीतियों को लेकर काफी चर्चा में रहे। मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू पर चीन के इशारों पर चलने और भारत का विरोध करने का आरोप लगा। राष्ट्रपति बनने के बाद मुइज्जू ने अपने देश से भारतीय सैनिकों को हटाने का फैसला लिया था। भारत के साथ उनकी बढ़ती तल्खियों की वजह से भारत और मालदीव में मुइज्जू की काफी आलोचनाएं हुईं। अब मालदीव के राष्ट्रपति एक और वजह से खबरों में हैं। ऐसा बताया जा रहा है कि उनके ऊपर जादू-टोना किया गया था, मुइज्जू पर ऐसा करने के लिए उनकी एक मंत्री को गिरफ्तार भी किया गया है।

मुइज्जू ने अपनी ही मंत्री को किया गिरफ्तार: अधाधु की रिपोर्ट के मुताबिक, मालदीव में पर्यावरण मंत्रालय की एक राज्य मंत्री को राष्ट्रपति

मोहम्मद मुइज्जू के करीब आने और जादू-टोना करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। एक सरकारी अधिकारी ने अधाधु को बताया कि फतिमाथ शमनाज अली सलीम को गिरफ्तार कर लिया गया है और सात दिनों की हिरासत में भेज दिया गया है।

मुइज्जू पर हुआ जादू-टोना ?

न्यूज पोर्टल के मुताबिक, हुलहुमाले मजिस्ट्रेट अदालत ने उनकी हिरासत की अवधि बढ़ा दी थी। शमनाज राष्ट्रपति कार्यालय के मंत्री एडम रमीज की पूर्व पत्नी हैं। शमनाज गिरफ्तारी से पहले उनके घर की तलाशी ली थी और कुछ सामान जब्त किया था। बता दें शमनाज के तीन बच्चे हैं जिनमें एक बच्चा एक वर्ष से कम उम्र का है।

शमजान के पूर्व पति भी निलंबित

शमनाज पहले राष्ट्रपति भवन मुलीएज में काम करती थीं। हालांकि, हाल ही में उनका तबादला पर्यावरण मंत्रालय में कर दिया गया था। रिपोर्ट्स की मानें तो शमनाज को राष्ट्रपति मुइज्जू के करीब आने के लिए जादू-टोना करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था, जबकि उनके पूर्व पति को भी निलंबित कर दिया गया है। एडम रमीज पहले राष्ट्रपति मुइज्जू के करीबी हुआ करते थे हालांकि, कई महीनों से उन्हें मुइज्जू के साथ नहीं देखा गया है।

पाकिस्तान में भीषण गर्मी से चार दिनों के भीतर 450 लोगों की मौत

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान में भीषण गर्मी से हाहाकार मचा हुआ है। अकेले कराची शहर में चार दिनों के भीतर 450 लोगों की मौत हो गई है। देश के एक प्रमुख गैर सरकारी संगठन ने बुधवार को यह जानकारी दी। हीटस्ट्रोक के कारण सैकड़ों की संख्या लोग अस्पतालों में भर्ती हैं। ईधी फाउंडेशन ने कहा कि पिछले चार दिनों में उसे कम से कम 427 शव बरामद हुए हैं। जबकि मंगलवार को तीन सरकारी अस्पतालों से 23 शवों की जानकारी मिली।

पाकिस्तान के एक एक प्रमुख गैर सरकारी संगठन ने बुधवार को जानकारी दी कि पाकिस्तान के सबसे बड़े शहर कराची में पड़ रही भीषण गर्मी के कारण पिछले चार दिनों में कम से कम 450 लोगों की मौत हो गई है। पाकिस्तान के शहर कराची में शनिवार से ही अत्यधिक गर्मी पड़ रही है और बुधवार को लगातार तीसरे दिन पारा 40 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि लगातार बढ़ रहा तापमान चिंता की बात है। आगामी कुछ दिनों में राहत की उम्मीद है।

फाउंडेशन के प्रमुख फैसल एधी ने कहा, कराची में हमारे चार शवगृह संचालित हैं और हम ऐसी स्थिति में पहुंच गए हैं, जहां हमारे शवगृहों में और शव रखने के लिए जगह नहीं बची है। उन्होंने कहा, दुखद यह है कि इनमें से कई शव ऐसे क्षेत्रों से आए हैं, जहां इस कठोरतम मौसम में भी काफी अधिक बिजली कटौती हो रही है। ईधी ने बताया कि अधिकांश शव बेघर लोगों और सड़कों पर रहने वाले नशेड़ी लोगों के थे।

उत्तर कोरिया ने किया मिसाइल का सफल परीक्षण, दक्षिण कोरिया का दावा पड़ा उल्टा

सामने आया किम जोंग का रिएक्शन

सियोल , एजेंसी। उत्तर कोरिया ने मल्टीपल वॉरहेड मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण कर लिया। उत्तर कोरिया ने कई हथियार क्षमता हासिल करने के उद्देश्य से मिसाइल परीक्षण सफलतापूर्वक किया है। उत्तर कोरिया ने इस सफल परीक्षण के साथ दक्षिण कोरिया के आकलन का भी खंडन किया है।

बता दें कि दक्षिण कोरियाई सेना ने कहा था कि उत्तर कोरिया की तरफ से कोरियाई प्रायद्वीप के पूर्वी तट से दूर समुद्र की ओर एक अज्ञात बैलिस्टिक मिसाइल का प्रक्षेपण विफल होता दिख रहा है। उत्तर कोरिया ने कहा कि परीक्षण का उद्देश्य एमआईआरवी क्षमता को सुरक्षित करना था। इसके माध्यम से सोलो बैलिस्टिक मिसाइल को विभिन्न लक्ष्यों पर हथियार पहुंचाने की अनुमति मिलेगी।

दक्षिण कोरिया ने कहा कि मिसाइल को सुबह करीब साढ़े पांच बजे प्योंगयांग या उसके आसपास के क्षेत्र से लॉन्च किया गया था, लेकिन लगभग 250 किमी की उड़ान भरने के बाद पूर्वी सागर में विस्फोट हो गया। हालांकि, उत्तर कोरिया ने कहा कि परीक्षण में -170-200 किलोमीटर के दायरे में ईंधन वाली बैलिस्टिक मिसाइल के फर्स्ट फेस इंजन का इस्तेमाल किया गया। मोबाइल वॉरहेड को तीन टारगेट को देखते हुए सही तरह से बनाया गया है। मिसाइल से अलग किए गए डिकॉय के असर को एंटी-एयर रडार की तरफ से भी सत्यापित किया गया था। परीक्षण की देखरेख उत्तर कोरिया की सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी ऑफ कोरिया (डब्ल्यूपीके) के केंद्रीय सैन्य आयोग के उपाध्यक्ष पाक जोंग-चोन और डब्ल्यूपीके केंद्रीय समिति के पहले उप विभाग निदेशक किम जोंग-सिक ने की।

6 जुलाई को होगी सुनीता विलियम्स और बुश विल्मोर की धरती पर वापसी

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय मूल की नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुश विल्मोर अभी भी स्टारलाइनर विमान के साथ अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) में फंसे गुए हैं। कुछ हफ्ते पहले ही वो स्टेशन पहुंचे थे। उनकी वापसी दो बार टल जरूर चुकी है लेकिन, खुशखबरी है कि नासा ने उनकी वापसी की तारीख की घोषणा कर दी है। दरअसल, बोइंग स्टारलाइनर में तकनीकी दिक्कत आने के कारण विमान अंतरिक्ष में फंस गया है।

सुनीता विलियम्स और बुश विल्मोर को लेकर बोइंग का स्टारलाइनर कैप्सूल 5 जून को धरती से उड़ा था और 6 जून को सफलतापूर्वक अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में पहुंच गया था। तकनीकी दिक्कत आने के कारण विमान अभी भी स्टेशन में ही फंसा हुआ है। उसमें आई समस्याओं के कारण अंतरिक्ष यात्रियों की धरती की ओर आने की योजना अभी अधर में लटकी हुई है। नासा ने सीआईडी रिटर्न को तीन बार रीशेड्यूल किया है।

नासा ने दी बड़ी खुशखबरी

सुनीता विलियम्स और उनके साथी की स्पेस सेंटर से वापसी की तारीख तय हो गई है। नासा के क्रू मैनेजर स्टीव स्टिच का कहना है कि स्टारलाइनर को 45 दिनों तक अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में डॉक किया जा सकता है। नासा के आंतरिक सूत्रों का कहना है कि सुनीता विलियम्स और बुश विल्मोर की धरती में वापसी की तारीख 6 जुलाई तय की गई है। इससे पहले नासा दो बार धरती पर लैंडिंग की तारीख टाल चुका है। पहले यह 15 जून थी इसके बाद 23 जून को भी विमान स्पेस सेंटर से धरती के लिए उड़ान नहीं भर पाया था।

विमान में दिक्कत क्या हुई

मिशन से जुड़े नासा के टैक्नीकल स्टॉफ का कहना है कि विमान के थ्रस्टर्स ज्यादा गर्म हो गए और हीलियम का भार वहन हुआ। नासा और बोइंग कर्मियों से बनी मिशन प्रबंधन टीम डेटा की जांच कर रही है। 6 जून को स्टारलाइनर के अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में लैंडिंग के बाद यात्रियों को पता लगा कि 5 हीलियम लीक हो गए हैं और 5 थ्रस्टर्स ने काम करना बंद कर दिया है। इसके अलावा एक वाल्व भी पूरी तरह से बंद नहीं हुआ है। इसी कारण अंतरिक्ष में चालक दल को मरम्मत में ज्यादा समय लग रहा है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पताः-एच. 21 अंकित अपार्टमेंट ब्रजेश्वरी एनएक्स, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।